E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 28 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, मंगलवार 11 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

झारखंड विधानसभा गेट के पास लाठीचार्ज, छात्रों को खदेड़ रही है पुलिस

रांची। झारखंड के रांची में JPSC-JSSC परीक्षा में धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्र बैरिकेडिंग तोड़ विधानसभा गेट के पास पहुंच गए। छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें गेट से हटाने की कोशिश की, लेकिन नहीं हटे तो लाठीचार्ज कर खदेड़ दिया। कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो-तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। कुछ छात्रों के सिर पर चोटें आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया X पर एक पोस्ट में कहा, 'झारखंड में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करना चाहिए।' इससे पहले आंदोलनकारी छात्र सुबह 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास एकत्रित हुए और फिर विधानसभा के घेराव के लिए निकले। पुलिस ने कंटीले तार की बैरिकेडिंग कर रखी थी। पुलिस ने जैसे ही वाटर कैनन का इस्तेमाल किया छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। कुछ छात्रों ने राष्ट्रगान गाया। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। CCTV कैमरों से निगरानी की जा रही है। इधर, CID ने JPSC के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को JPSC ऑफिस में रेड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। CID उनसे लगातार पूछताछ कर रही थी। झारखंड PSC-SSC की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 17 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। देवेंद्रनाथ महतो समेत 6 छात्र भूख हड़ताल पर हैं। वे एंबुलेंस से विधानसभा घेराव में शामिल हुए। आंदोलनकारी छात्र सुबह करीब 10 बजे पुरानी विधानसभा के पास एकत्रित हुए थे। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्र विधानसभा घेराव के लिए आगे बढ़े। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस ने विधानसभा के आसपास कई स्तरों पर बैरिकेडिंग की थी। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए कंटीले तार लगाए गए थे और पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। जैसे ही छात्र बैरिकेडिंग के पास पहुंचे, पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पानी की बौछार भी की गई। इसके बावजूद कई प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और नारेबाजी करते रहे। कुछ छात्रों ने मौके पर राष्ट्रगान भी गाया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव और बढ़ गया।

10 घंटे बाद विधानसभा के गेट से खदेड़े गए छात्र, देवेंद्र नाथ महतो को एंबुलेंस से ले गई पुलिस

रांची। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ सोमवार को करीब दस घंटे तक चले विधानसभा घेराव के बाद पुलिस ने शाम सात बजे विधानसभा की चहारदीवारी के बाहर की सड़क को खाली करा दिया। पुलिस ने विधानसभा के गेट के सामने डटे छात्रों को खदेड़ने के लिए लाठी चार्ज किया। इस दौरान कई छात्र-छात्राएं सड़क पर लेट गए और हटने से इनकार किया। पुलिस ने उन्हें वहां से हटाया और कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। विधानसभा के गेट नंबर एक के सामने नौ दिनों से अनशन कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो भी आंदोलनकारियों के साथ डटे थे। पुलिस उन्हें जबरन एंबुलेंस पर लादकर मौके से ले गई। महतो नौ दिनों की भूख हड़ताल के बावजूद सोमवार को एंबुलेंस और बाद में स्ट्रेचर के जरिए प्रदर्शन स्थल तक पहुंचे थे। आंदोलनकारी छात्रों के एक अन्य नेता रवींद्र पासवान ने कहा कि हमारा आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। सुबह करीब नौ बजे पुराने-पुराने विधानसभा परिसर के पास जुटे छात्रों ने दिनभर कई स्तर की बैरिकेडिंग तोड़ी। शाम करीब चार बजे छात्रों ने आखिरी बैरिकेडिंग भी पार कर ली थी।

कोलंबिया में 7.4 तीव्रता के भूकंप से भारी तबाही, 47 से ज्यादा की मौत, कई लोग मलबे में दबे

बोगोटा। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसके झटके पड़ोसी देश इक्वाडोर तक महसूस किए गए। स्थानीय समय के मुताबिक भूकंप सोमवार सुबह करीब 7 बजे आया। लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। कई इमारतें खाली कराई गई हैं। सैकड़ों लोगों के घायल होने की खबर है।

अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र राजधानी बोगोटा से करीब 400 किलोमीटर पश्चिम में पालमार इलाके में था। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र राजधानी बोगोटा से करीब 400 किलोमीटर पश्चिम में पालमार इलाके में था। इसके झटके पड़ोसी देश इक्वाडोर और वेनेजुएला तक महसूस किए गए। कोलंबिया दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यहां हर साल हजार से ज्यादा छोटे-बड़े भूकंप आते हैं। कोलंबिया में बार-बार भूकंप आने की सबसे बड़ी वजह इसकी भौगोलिक स्थिति है। यह देश 'रिंग ऑफ फायर' नाम के भूकंप और ज्वालामुखी वाले क्षेत्र में आता है। यहां नाजका, कोकोस और दक्षिण अमेरिकी जैसी कई बड़ी टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं।

इनमें से एक प्लेट दूसरी के नीचे धंसती रहती है। इसी वजह से जमीन के अंदर लगातार हलचल होती रहती है, जिससे अक्सर तेज भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते हैं। भूकंप के तेज झटकों से कोलंबिया के कई हिस्सों में अफरा-तफरी मच गई।

राज्यसभा में पास हुआ बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, अंग्रेजों का बनाया 135 साल पुराना कानून बनेगा इतिहास

नई दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल ध्वनि मत से पारित हो गया है। हालांकि, इस दौरान विपक्ष के सदस्य संसद से बाहर चले गए। इस कानून का मकसद 135 साल पुराने 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस एक्ट, 1891' की जगह लेना और वित्तीय सबूतों से जुड़े कानूनी ढांचे को आज के डिजिटल बैंकिंग तौर-तरीकों के अनुरूप बनाना है। इस कानून की जरूरत बताते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि 1891 का मूल कानून तब बनाया गया था जब बैंकिंग रिकॉर्ड मुख्य रूप से फिजिकल रूप में रखे जाते थे। इसका मुख्य उद्देश्य कानूनी कार्यवाही में बैंक रिकॉर्ड की सर्टिफाइड कॉपी को सबूत के तौर पर इस्तेमाल करने की इजाजत देना था, ताकि बैंक अधिकारियों को कोर्ट में ओरिजिनल लेजर पेश करने की परेशानी न हो। डिजिटल बैंकिंग के तेजी से बढ़ने के साथ, अब रिकॉर्ड आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके बनाए और सुरक्षित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह बिल 'पूरी प्राइवेसी और सुरक्षा' सुनिश्चित करने के लिए पेश किया गया है। जब बिल पेश किया गया, तो विपक्ष के सदस्य नारे लगाते रहे। इसके बाद उप-सभापति ने सदस्यों से विषय पर ही बात करने का अनुरोध किया और कई वक्ताओं को बोलने के लिए बुलाया, जिनमें मोहम्मद नदीमुल हक (एआईटीसी, पश्चिम बंगाल), अरुण सिंह (बीजेपी, उत्तर प्रदेश), मानस रंजन मंगराज (बीजेडी, ओडिशा), एस. निरंजन रेड्डी (वाईएसआरसीपी, आंध्र प्रदेश), राजेंद्र हीरालाल जैन (एनसीपी, महाराष्ट्र), भाष्यम रामा कृष्णा (टीडीपी, आंध्र प्रदेश), रवि चंद्र वद्दिराजू (वीआरएस, तेलंगाना), एल.के. सुधीश (डीएमडीके, तमिलनाडु), डॉ. एम. धनपाल (एआईएडीएमके, तमिलनाडु) और डॉ. ज्योति नागनाथ वाघमारे (शिव सेना, महाराष्ट्र) शामिल थे। बिल पर बोलने वाले सदस्यों ने लंबे समय से लंबित इस तकनीकी अपडेट का स्वागत किया और नए कानून में डेटा प्राइवेसी और सुरक्षा के बारे में भी बात की।

जयपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस में धक्का-मुक्की, महिला बेहोश: रैली पर वाटर कैनन चलाई

जयपुर। जयपुर में सोमवार को कांग्रेस की रैली के दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस में धक्का-मुक्की हो गई। इसमें एक महिला कार्यकर्ता घायल होकर बेहोश हो गई। पुलिस ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। दरअसल, कांग्रेस नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता 'हिसाब मांगो रैली' के तहत नेहरू पैलेस, टोंक रोड से नगर निगम मुख्यालय के लिए निकले थे। नगर निगम पहुंचने से पहले ही पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। कांग्रेसी जयपुर नगर निगम की कार्यशैली, बदहाल सफाई व्यवस्था, जलभराव, जाम सीवर लाइनें, टूटी सड़कों और बंद रोड लाइटों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास बैरिकेड पर चढ़ गए। भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में भी सड़कें नहीं बनी हैं। बारिश के बाद हालात खराब हैं। इससे पूरे जयपुर शहर की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। खाचरियावास ने कहा- यदि शहर की सफाई व्यवस्था और बरसाती पानी की समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया तो कांग्रेस का आंदोलन और तेज किया जाएगा। पुलिस कितनी भी लगा लो, बैरिकेड लगा लो, लेकिन जनता की आवाज नहीं दबा सकते। जनता के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी। उन्होंने कहा- गोली का जवाब गोली से देंगे, लाठी का जवाब लाठी से देंगे। प्रदर्शन में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता टोंक रोड स्थित नेहरू पैलेस से नगर निगम मुख्यालय की ओर रैली के रूप में रवाना हुए थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जयपुर नगर निगम की कार्यशैली और शहर की बिगड़ती व्यवस्थाओं के खिलाफ यह प्रदर्शन किया जा रहा है। रैली में बड़ी

संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए और नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े।

नगर निगम मुख्यालय से पहले ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड पार कर आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसके चलते पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की तेज बौछार के बीच प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाने का प्रयास किया गया। प्रदर्शन के दौरान एक महिला कांग्रेस कार्यकर्ता के घायल होकर बेहोश होने से मौके पर मौजूद लोगों में चिंता की स्थिति बन गई। कार्यकर्ताओं ने महिला को संभाला और उपचार के लिए ले जाने का प्रयास किया। घटना के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस की कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई और प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग किए जाने का विरोध किया। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास भी प्रदर्शन में मौजूद रहे।

असम में फिर शुरू हुई सस्ती दाल और चीनी योजना, 70 लाख लोगों को मिलेगा लाभ

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को राज्य सरकार की सब्सिडी वाली खाद्य योजना को फिर से शुरू करने की घोषणा की। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को दाल और चीनी 100 रुपए में उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे राज्य के लगभग 70 लाख लोगों को फायदा होगा। यह योजना नगांव जिले के राहा से दोबारा शुरू की गई। राज्य के बजट से जुड़ी प्रक्रिया में देरी के कारण यह योजना करीब तीन महीने से बंद थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अपनी प्रतिबद्धता के तहत पात्र लोगों को आवश्यक खाद्य सामग्री सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए दाल और चीनी की आपूर्ति फिर से शुरू कर रही है। यह योजना विधानसभा चुनावों से पहले शुरू की गई थी। इसके तहत लोगों को चीनी, दाल और नमक रियायती दरों पर देने का प्रावधान था। हालांकि, मुख्यमंत्री ने बताया कि कुछ तकनीकी कारणों से फिलहाल नमक का वितरण शुरू नहीं हो पाया है।

राजस्थान पुलिस का विशेष अभियान: 20 दिन में 1,624 हार्डकोर अपराधी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में अपराधियों के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत 20 जुलाई से चलाए जा रहे एक माह के विशेष अभियान में पुलिस को बड़ी सफलताएं मिली हैं। राजस्थान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में राज्य के सभी पुलिस रेंजों और आयुक्तालयों में चलाए जा रहे इस अभियान के दौरान पिछले बीस दिनों में संगठित अपराध, नशा तस्करी, अवैध हथियार और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ा प्रहार किया गया है।

हार्डकोर अपराधियों पर कार्रवाईः प्रदेश भर में 2,067 हार्डकोर अपराधियों की पहचान कर विभिन्न धाराओं में 2,085 कार्रवाइयां की गईं, जिनमें से 1,624 हार्डकोर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

नशा तस्करी (NDPS) पर प्रहारः नशे के कारोबार के खिलाफ 848 एनडीपीएस प्रकरण दर्ज कर 1,158 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अवैध हथियारः अवैध हथियारों से जुड़े 319 मामले दर्ज किए गए और 396 अपराधियों को पकड़ा गया।

साइबर क्राइम पर लगामः साइबर अपराधों के तहत 624 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 8 करोड़ 24 लाख रुपये होल्ड कराए और पीड़ितों को 2 करोड़ 91 लाख रुपये वापस दिलाए।

अवैध खननः अवैध खनन के खिलाफ 650 मामलों में कार्रवाई कर गिरफ्तारियां की गईं।

व्यापक नाकाबंदीः राज्य में 9,663 स्थानों पर नाकाबंदी कर 7,04,594 वाहनों की गहनता से जांच की गई।

मोटर वाहन अधिनियम (MV Act): यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 2,32,058 कार्रवाइयां की गईं। इनमें शराब पीकर वाहन चलाने वाले (16,874), बिना हेलमेट (1,74,904), बिना सीट बेल्ट (13,832), काली फिल्म (12,241) और ओवरलोडिंग (19,213) शामिल हैं।

महिला सुरक्षा एवं जनसंवादः महिला सुरक्षा के तहत 2,835 मामलों में प्रभावी कार्रवाई की गई तथा 7,545 स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाए गए। पुलिस-जनता संवाद के तहत 1,060 कम्युनिटी लाइजन ग्रुप (CLG) की बैठकें आयोजित की गईं।

अजमेर रेंजः 609 हार्डकोर अपराधियों को गिरफ्तार कर शीर्ष पर रही।

उदयपुर व भरतपुर रेंजः उदयपुर में 316 और भरतपुर में 205 हार्डकोर अपराधी पकड़े गए। बीकानेर रेंजः एनडीपीएस के 206 मामलों में 273 तस्करों को पकड़ा गया और महिला सुरक्षा में 703 प्रकरण दर्ज किए।

महिलाएं बच्चा पैदा करने की मशीन नहीं, लक्ष्मी योजना पर सीएम रेखा गुप्ता का जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में मानसून सत्र जारी है। सत्र के दूसरे दिन सोमवार को 'लक्ष्मी योजना' को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर तकरार हुई। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने जैसे ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बोलने के लिए कहा, विपक्ष ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री का जवाब सुनने पहले ही आम आदमी पार्टी के सदस्यों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लक्ष्मी योजना से जुड़ी तीन बच्चों की मां को अपात्र मानने वाली शर्त पर जवाब देते हुए कि महिलाएं केवल बच्चा पैदा करने की मशीन नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार बच्चा पैदा करने से महिला के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, ऐसे में दिल्ली सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर सजग और सतर्क है। इसके साथ ही महिलाएं घर चलाने के लिए एक-एक पैसा जोड़ती हैं और उसे बचाकर रखती हैं।

झारखंड हो या जंतर-मंतर... राहुल गांधी बोले- छात्रों पर लाठीचार्ज अस्वीकार

नई दिल्ली। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। इस बार भी उनके निशाने पर गृह मंत्री अमित शाह हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों पर हमले का आदेश किसने दिया, अमित शाह सामने आएं और इसका जवाब दें। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, "सवाल यह नहीं था कि अमित शाह संसद में आकर कुछ आम विषयों पर भाषण देंगे। सवाल हमेशा यह रहा है कि अमित शाह को यह साफ करना होगा कि दिल्ली में हमारे युवाओं पर गोली चलाने का आदेश किसने दिया था। पेलेट गन चलाई गईं, छात्रों को कील लगी लाठियों से पीटा गया। उन्हें साफ-साफ बताना चाहिए। क्या उन्होंने इसका आदेश दिया था या नहीं?" राहुल गांधी ने कहा कि अगर उन्होंने आदेश दिया था, तो हमारे बच्चों पर गोली चलवाने के लिए वे दोषी हैं। और अगर उन्हें इस घटना के बारे में पता नहीं था, तो वे अयोग्य हैं। दोनों ही सूरतों में, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। यही चर्चा का विषय था। राहुल ने कहा कि शाह का जवाब देना होगा, अगर वो ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूसरी बात है कि जो हुआ है उसके लिए प्रधानमंत्री माफी मांगें।

संपादकीय

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में एग्रीस्टैक स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को एग्रीस्टैक स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एग्रीस्टैक के तहत फॉर्मर रजिस्ट्री, फॉर्मर आईडी, डिजिटल क्रॉप सर्वे के साथ डेटा सिंक्रोनाइजेशन, एग्रीस्टैक आधारित उर्वरक वितरण, एमएसपी पर खरीद तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि एग्रीस्टैक का उद्देश्य डिजिटल डाटाबेस तैयार करने के साथ कृषक को उसकी भूमि, फसल एवं कृषि सेवाओं से संबंधित सुविधाएं एकीकृत एवं सुगम रूप से उपलब्ध कराना होना चाहिए। उन्होंने विभागों के मध्य बेहतर समन्वय के साथ एग्रीस्टैक के सभी निर्धारित माइलस्टोन समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने फॉर्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा करते हुए शेष कृषकों के पंजीकरण को अभियान के रूप में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कम प्रगति वाले जिलों में विशेष फील्ड विजिट, संभागवार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं प्रशिक्षण तथा कृषि पर्यवेक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि फॉर्मर रजिस्ट्री को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के साथ इसे निरंतर अद्यतन रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए मोबाइल ऐप का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा शेष कृषकों को एसएमएस, समाचार पत्रों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों एवं अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए पंजीकरण के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में बताया गया कि राज्य में अब तक 87 लाख 44 हजार 842 कृषक पंजीकृत हो चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का 96.95 प्रतिशत है। राज्य को एग्रीस्टैक से संबंधित कार्य पूर्ण करने पर अब तक 737 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत हुई है। मुख्य सचिव ने कृषक रजिस्ट्री एवं राजस्व अभिलेखों के बीच नियमित एवं स्वचालित समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इससे नामांतरण के बाद भूमि संबंधी नवीनतम जानकारी स्वतः अपडेट हो सकेगी । उन्होंने नामांतरण के समय आधार संख्या एवं कृषक पहचान संख्या दर्ज करने की व्यवस्था शीघ्र लागू करने तथा संबंधित विभागों के बीच आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने काश्तकारों, बटाईदारों एवं अन्य वास्तविक कृषकों को कृषक रजिस्ट्री में शामिल करने के लिए कार्यविधि को शीघ्र अंतिम रूप देने तथा मैदानी स्तर पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टैक के माध्यम से वास्तविक खेती एवं बटाईदार कृषि व्यवस्था की सटीक जानकारी जुटाई जाए ताकि कृषि योजनाओं का लाभ वास्तविक कृषक तक सुनिश्चित रूप से पहुंच सके। मुख्य सचिव ने बजट घोषणा के अनुरूप एग्रीस्टैक आयुक्तालय की स्थापना कृषि विभाग के आयुक्तालय में करने एवं स्वतंत्र पद सृजन से संबंधित प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्यवाही में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने एग्रीस्टैक के तहत चिन्हित प्राथमिक सेवाओं को समयबद्ध रूप से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषक रजिस्ट्री के आंकड़ों का उपयोग उर्वरक वितरण, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद एवं अन्य किसान केन्द्रित सेवाओं में करने पर जोर दिया। कृषि विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल ने बैठक में बताया कि राजसंद एवं सिरोही में फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाईजर सेल लागू किया जा चुका है। जिसके अंतर्गत 65 हजार से अधिक किसानों द्वारा 10 हजार मैट्रिक टन से अधिक उर्वरक क्रय किया जा चुका है। इस पर मुख्य सचिव ने फ्रेमवर्क की सफलता को देखते हुए एग्रीस्टैक आधारित उर्वरक वितरण व्यवस्था को पूरे प्रदेश में लागू करने तथा किसानों को उर्वरक खरीद में सुगमता एवं पारदर्शिता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सहित अन्य योजनाओं के शेष लाभार्थियों को कृषक पहचान संख्या से जोड़ने के लिए तथा किसानों को जागरूक करने को कहा। मुख्य सचिव ने कहा कि एग्रीस्टैक एक बहु विभागीय पहल है।

अगले महीने होंगे RCA के चुनाव, 29 सितंबर को वोटिंग

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ (RCA) की चुनाव प्रक्रिया अगले महीने शुरू हो जाएगी। आरसीए चुनाव का नोटिस 7 सितंबर को जारी किया जाएगा, जबकि 29 सितंबर को मतदान हो सकते हैं। क्रिकेट संघ के प्रशासक भास्कर ए सावंत की ओर से एडवोकेट रवि भोजक ने कोर्ट में चुनावी कार्यक्रम पेश किया। इससे पहले 1 जुलाई को हाईकोर्ट ने पूर्व रणजी खिलाड़ी राजीव प्रताप सिंह की जनहित याचिका पर सुनवाई की थी। सुनवाई के दौरान आरसीए की एडहॉक कमेटी को निलंबित किया गया था। उसी दौरान गृह सचिव (IAS) भास्कर ए सावंत को प्रशासक नियुक्त करते हुए तीन महीने के भीतर चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। लेकिन 29 जुलाई को भी चुनाव कार्यक्रम पेश नहीं किया गया था। 7 सितंबर को चुनाव कार्यक्रम और जनरल मीटिंग का नोटिस जारी होने के बाद 12 से 16 सितंबर तक मतदाता सूची पर आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। 16 से 21 सितंबर तक निर्वाचन अधिकारी के समक्ष आपत्तियों की सुनवाई का समय रहेगा। इसके बाद 23 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। वहीं, 24 सितंबर को नामांकन दाखिल होंगे। अगले दिन 25 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच के बाद पात्र उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित की जाएगी। वहीं, आवश्यकता होने पर मतदान के लिए 29 सितंबर की तारीख तय की गई है।

सरदारशहर में बस स्टैंड बना आंदोलन का अखाड़ा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर (चूरू)। कृष्णा बस स्टैंड पर निजी बस संचालकों और रेहड़ी-ठेला संचालकों के बीच चल रहा विवाद अब बड़ा आंदोलन बन गया है। 382 निजी बसों का संचालन बंद रहने से रोजाना हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर रेहड़ी यूनियन का धरना और आमरण अनशन भी लगातार जारी है। बस संचालकों ने स्टैंड परिसर में बसें खड़ी कर अपना विरोध जताया है। बस यूनियन अध्यक्ष राजेंद्र सिंह का कहना है कि बस स्टैंड परिसर में संचालित सब्जी की रेहड़ियों को अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। उनका आरोप है कि खराब सब्जियों के कारण स्टैंड परिसर में सांडों का जमावड़ा रहता है और कई बार यात्री चोटिल हो चुके हैं। बस संचालकों का कहना है कि मांग पूरी होने तक बस संचालन शुरू नहीं किया जाएगा। आमरण अनशन के पांचवें दिन राजेंद्र सिंह राजपुरोहित के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ा है।

कैश वैन से 51 लाख की लूट का खुलासा, बैंक कर्मी ही निकले मास्टरमाइंड

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। पांचू थाना क्षेत्र में बैंक कैश वैन से 51 लाख रुपये लूटने की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। जांच में सामने आया कि इस लूटकांड में बैंक से कैश पहुंचाने वाले कार्मिक ही शामिल थे। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में चरकड़ा निवासी विक्रम सिंह तथा स्वरूपदेसर निवासी श्याम सुन्दर शामिल हैं। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बी.एल. मीणा, नोखा सीओ जरनैल सिंह तथा पांचू थानाधिकारी ईश्वर जांगिड़ के नेतृत्व में गठित टीम ने की। गौरतलब है कि 5 अगस्त को साधुना और सारुंडा गांव के बीच बोलेरो में सवार चार हथियारबंद बदमाशों ने कैश वैन को रुकवाकर कर्मचारियों को हथियार दिखाए और नकदी से भरा बॉक्स लूटकर फरार हो गए थे। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया था।

घटना के तुरंत बाद एसपी मृदुल कच्छावा ने आशंका जताई थी कि लूट में अंदरूनी मिलीभगत हो सकती है। पुलिस की गहन जांच और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यह आशंका सही साबित हुई और बैंक कर्मियों की संलिप्तता सामने आ गई। पुलिस अब मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है तथा लूटी गई रकम की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चरकड़ा निवासी विक्रम सिंह और स्वरूपदेसर निवासी श्याम सुन्दर के रूप में हुई है। दोनों को पूछताछ के लिए गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वारदात की पूरी योजना किस तरह तैयार की गई और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल थे। वारदात 5 अगस्त को साधुना और सारुंडा गांव के बीच हुई थी। बैंक की नकदी लेकर कैश वैन अपने गंतव्य की ओर जा रही थी।

पत्रकारों की मांगों के समर्थन में विधायक डॉ. विकास चौधरी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

एजेंसी, थिंक राजस्थान

किशनगढ़। पत्रकार संगठन आईएफडब्ल्यूजे (इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स) की ओर से प्रदेश के पत्रकारों की समस्याओं को लेकर प्रस्तुत मांगों के समर्थन में किशनगढ़ विधायक डॉ. विकास चौधरी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है।

विधायक ने पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर सरकार से प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में डॉ. चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता लोकतांत्रिक व्यवस्था का प्रमुख आधार है।

पत्रकार कठिन परिस्थितियों में भी समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को सरकार तक पहुंचाने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश आमजन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हैं। डॉ. चौधरी ने पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान के हित में प्रदेश में शीघ्र सशक्त पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की अनुशंसा की।

राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस आयोजन को लेकर उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारियों की बैठक आयोजित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 का आयोजन बीकानेर रेंज मुख्यालय पर प्रस्तावित होने के कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में रुपिंदर सिंह, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, RAC & SDRF, राजस्थान, जयपुर, श्री ओमप्रकाश, महानिरीक्षक पुलिस, रेंज बीकानेर एवं श्रीमती श्वेता धनकड़, उप महानिरीक्षक पुलिस, आरएसी, राजस्थान, जयपुर की उपस्थिति में राज्यस्तरीय समारोह के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक पुलिस व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों द्वारा समारोह के दौरान सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था एवं महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा सहित विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में पुलिस विभाग के अन्य पुलिस अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, आरएसी एवं एसडीआरएफ राजस्थान जयपुर रुपिंदर सिंह, पुलिस महानिरीक्षक रेंज बीकानेर ओमप्रकाश तथा पुलिस उपमहानिरीक्षक आरएसी राजस्थान जयपुर श्रीमती श्वेता धनकड़ मौजूद रहीं। अधिकारियों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान संभावित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की। बैठक में समारोह स्थल और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने महत्वपूर्ण स्थानों की सुरक्षा, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, भीड़ की आवाजाही और कार्यक्रम स्थल के आसपास पुलिस बल की तैनाती से जुड़े बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने कहा कि राज्य स्तरीय समारोह में बड़ी संख्या में आमजन, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और अन्य विशिष्ट लोगों के शामिल होने की संभावना है। ऐसे में कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा के साथ-

22 अगस्त को होगा कक्षा 2 से 5 का केन्द्रीय एफ एल एन आकलन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और निपुण भारत मिशन के तहत राज्य के सभी राजकीय विद्यालयों में कक्षा 2 से 5 के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी एवं गणित विषय का केन्द्रीयकृत एफएलएन एसेसमेंट 22 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षताओं का आकलन कर उनके अधिगम स्तर का विश्लेषण करना है। निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान एवं समग्र शिक्षा अभियान के पदेन अति राज्य परियोजना निदेशक (वरिष्ठ) ललित कुमार ने निर्देश जारी कर बताया कि प्रश्नपत्र शालादर्पण पोर्टल और शिक्षक ऐप पर उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रत्येक विषय का प्रश्नपत्र एक घंटे का होगा तथा इसमें 20 प्रश्न होंगे। मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जाएगा और विद्यार्थियों के कंपीटेंसी वाइज अंक 30 अगस्त तक शालादर्पण पर ऑनलाइन दर्ज करना अनिवार्य होगा।

युवा क्रांति ही वर्तमान चुनौतियों का समाधान : गांधी वाटिका में अगस्त क्रांति दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। अगस्त क्रांति दिवस और भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ के अवसर पर रविवार को गांधी वाटिका में 'युवा क्रांति है! वर्तमान चुनौतियों का समाधान' विषय पर एक विशेष विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सेवा संस्थान, भारत सेवा फाउंडेशन और महात्मा गांधी जीवन दर्शन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कुमार प्रशांत का मुख्य संबोधनः 'विचार सदैव कायम रहता है' गांधी शांति प्रतिष्ठान (दिल्ली) के अध्यक्ष कुमार प्रशांत ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहाः युवा युग परिवर्तन का वाहकः चाहे आजादी का आंदोलन रहा हो या आज के दौर में जंतर-मंतर, दिल्ली या झारखंड में गांधीवादी तरीके से आंदोलन कर रहे युवा हों, युवा ही हमेशा युग परिवर्तन का जरिया बने हैं।

सत्य और अहिंसा की राहः उन्होंने कहा कि परिस्थितियां बदलती रहती हैं, लेकिन विचार सदैव कायम रहता है। वर्तमान में जिस प्रकार Gen-Z (युवा पीढ़ी) गांधीवादी सिद्धांतों—सत्य और अहिंसा पर चलकर समाज की समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित कर रही है, वह आशा की किरण है और साबित करती है कि गांधी आज भी जीवित हैं।

प्रमुख वक्ताओं के विचार : टीकाराम जूली (नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान विधानसभा): उन्होंने कहा कि आज के समय में भी भारत छोड़ो आंदोलन जैसी ही परिस्थितियां मौजूद हैं। युवाओं को गांधी जी के बताए रास्ते पर चलकर समाज की चुनौतियों के समाधान में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

डॉ. बी.एम. शर्माः उन्होंने गांधी जी की प्रतिरोध शैली का उल्लेख करते हुए कहा कि 1942 में 'करो या मरो' का नारा केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक संकल्प बन गया था, जिसने युवाओं को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में वैभव गहलोत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संस्थान के सचिव गिरधारी सिंह बापना ने स्वागत उद्बोधन दिया। भारत सेवा संस्थान के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। संगोष्ठी में प्रसिद्ध कवि संपत सरल, गांधीवादी विचारक सवाई सिंह, अमीन पठान, राजेंद्र कुंबज, ध्यान सिंह, चैन सिंह जैन, एडवोकेट ललित कुमार, संत कुमार जैन, धर्मेंद्र जाटव, विक्रम स्वामी, मीनाक्षी, शेर सिंह महला, कुसुम जैन और रामफूल गुर्जर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान गौतम के. गट्स ने 'युवा क्रांति गीत' प्रस्तुत किया और मंच संचालन श्यामसुंदर जोशी ने किया। इन समस्याओं के समाधान के लिए युवाओं को केवल शिकायत करने के बजाय रचनात्मक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी भूमिका निभानी होगी।

डॉ. मेघना शर्मा राजस्थानी अध्ययन केंद्र की निदेशक नियुक्त, हुआ सम्मान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। कुलाधिपति व राज्यपाल राजस्थान के निर्देशों पर महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में राजस्थानी अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई है, जिसकी संस्थापक निदेशक के रूप में डॉ. मेघना शर्मा को नियुक्त किया गया है। डॉ. मेघना ने इस अवसर पर कहा कि अध्ययन केंद्र के द्वारा राजस्थानी संस्कृति और परंपराओं की झलक प्रस्तुत करती गतिविधियां, राजस्थानी साहित्यिक गोष्ठियां, राजस्थानी पर शोध आधारित संवाद कार्यक्रम, राजस्थानी कला व पर्यटन को मजबूत करने में केंद्र का विशेष जोर रहेगा। आगामी समय में राजस्थानी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाकर उसे जन-जन से जोड़ने के प्रयास रहेंगे। उल्लेखनीय है कि डॉ. मेघना पूर्व में भी विश्वविद्यालय में एसएफएस में संचालित राजस्थानी पाठ्यक्रम की संस्थापक समन्वयक के रूप में चार सत्रों तक निरंतर कार्यभार संभाल चुकी हैं व वर्तमान में विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष हैं। डॉ. मेघना की नियुक्ति पर उन्हें राजस्थानी मोट्यार परिषद द्वारा शॉल, साफा, दुपट्टा, पौधा देकर सम्मानित किया गया, जिसमें डॉ. नमामी शंकर आचार्य, डॉ. गौरीशंकर प्रजापत, राम शर्मा, रविंद्र जाजड़ा, राजेश चौधरी, प्रशांत जैन, सुनील बिश्नोई, दीपक चौधरी के नेतृत्व में विधि, इतिहास व राजस्थानी विभाग के विद्यार्थी शामिल रहे। राजस्थानी अध्ययन केंद्र के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और साहित्यिक धरोहर को शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ने की योजना बनाई गई है। केंद्र की ओर से राजस्थानी संस्कृति और परंपराओं की झलक प्रस्तुत करने वाली विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। वर्तमान में वह विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

सप्ताहांत में वाणिज्यिक कर विभाग की राज्यव्यापी कार्रवाईः निर्माण, वस्त्र, आतिथ्य एवं विनिर्माण क्षेत्रों में कर अनियमितताओं के कई मामले उजागर

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा सप्ताहांत के दौरान कर चोरी, अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) तथा अन्य कर अनियमितताओं के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान में उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, पाली, चूरू, श्रीगंगानगर तथा बीकानेर सहित राज्य के विभिन्न जिलों में सर्वे एवं जांच कार्रवाई की। प्रारंभिक जांच में निर्माण कार्य, वस्त्र उद्योग, रेस्टोरेंट एवं आतिथ्य, सुरक्षा सेवाओं तथा विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े कई मामलों में अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट, निरस्त पंजीकरण वाले करदाताओं से खरीद, कर देयता कम दर्शाने तथा अन्य कर अनियमितताओं के संकेत मिले हैं। जोधपुर जिले के ओसियां स्थित मारुधर कंस्ट्रक्शन कंपनी के विरुद्ध की गई कार्रवाई में पात्रता से अधिक एवं अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट के उपयोग का मामला सामने आया। जांच के दौरान लगभग 42 लाख रुपए की संभावित कर अनियमितता चिन्हित हुई तथा करदाता ने लगभग 38.57 लाख रुपए की राशि स्वेच्छा से जमा कराई। पाली स्थित कृष्णा टेक्सटाइल में प्रारंभिक जांच के दौरान निरस्त एवं फर्जी फर्मों से प्राप्त इनपुट टैक्स क्रेडिट का मामला सामने आया। लगभग 13.97 लाख रुपए की संभावित कर अनियमितता चिन्हित होने पर करदाता ने 1.50 लाख रुपए की कर राशि तथा दंड की राशि स्वेच्छा से जमा कराई तथा शेष राशि जमा कराने के लिए समय का अनुरोध किया। चूरू जिले के रतनगढ़ स्थित श्री बालाजी कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर्स में लगभग 50 लाख रुपए के अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट का मामला सामने आया। प्रारंभिक जांच में निरस्त पंजीकरण वाले करदाता से इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने के संकेत मिले हैं और मामले की विस्तृत जांच जारी है। उदयपुर स्थित ओमेगा लीजर लाउंज प्राइवेट लिमिटेड में रेस्टोरेंट सेवाओं पर अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने तथा रिवर्स चार्ज दायित्व का पालन नहीं करने के संकेत मिले। कार्रवाई के दौरान करदाता ने 11 लाख रुपए की राशि स्वेच्छा से जमा कराई।

जयपुर के वैशाली नगर स्थित कर्णी सेफ सिक्योरिटी सर्विसेज में अतिरिक्त इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने तथा जीएसटी रिटर्न में कर देयता कम दर्शाने की अनियमितताएं सामने आईं। जांच के दौरान करदाता ने लगभग 10.17 लाख रुपए की राशि स्वेच्छा से जमा कराई। श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ स्थित जे.बी. एंड कंपनी के विरुद्ध की गई कार्रवाई में लगभग 82.80 लाख रुपए के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट का मामला सामने आया। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि संबंधित कार्य से जुड़े भुगतानों को सुरक्षित रखने के लिए संबंधित एजेंसियों को आवश्यक सूचना दी गई है। मामले की विस्तृत जांच जारी है। बीकानेर जिले में भी दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की गई। दोनों मामलों की विस्तृत जांच जारी है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

E20 पेट्रोल के विरोध में AAP का जयपुर में टाउनहॉल, सरकार से तत्काल रोक की मांग

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। E20 पेट्रोल को लेकर आम आदमी पार्टी ने देशव्यापी टाउनहॉल कार्यक्रम के तहत रविवार को जयपुर में टाउनहॉल आयोजित किया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान E20 पेट्रोल के इस्तेमाल से आमजन को होने वाली परेशानियों और इसके प्रभावों को लेकर चर्चा की गई। पार्टी के डॉ. सुनील धायल ने बताया कि टाउनहॉल में कार्यकर्ताओं ने E20 पेट्रोल से जुड़ी समस्याओं को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि सरकार को आमजन की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे पर तत्काल प्रभाव से कदम उठाना चाहिए। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश प्रभारी धीरज टोकस और कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कीर्ति पाठक ने सरकार से E20 पेट्रोल को लेकर जनता की समस्याओं का समाधान करने की मांग की। उन्होंने कहा कि आमजन को होने वाली परेशानी को देखते हुए सरकार को E20 पेट्रोल पर तत्काल रोक लगाकर जनता को राहत देनी चाहिए। पार्टी नेताओं ने कहा कि पेट्रोल से जुड़े इस मुद्दे का सीधा असर आम वाहन चालकों और उपभोक्ताओं पर पड़ता है। ऐसे में सरकार को जनता की चिंताओं पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। टाउनहॉल कार्यक्रम के बाद आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रामबाग चौराहे तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने E20 पेट्रोल को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया और सरकार से आमजन के हित में निर्णय लेने की मांग की। कार्यक्रम में जयपुर संभाग प्रभारी सौरभ चौधरी, सुनील अग्रवाल, संगीता गौड़, अमित दाधीच, अमित वशिष्ठ, वीरेंद्र चौधरी और स्टार प्रचारक शाहनाज भाई सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं ने ई20 पेट्रोल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और इसके संभावित प्रभावों को लेकर अपने विचार रखे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाए जाने के बाद आम वाहन चालकों के बीच कई तरह की चिंताएं सामने आ रही हैं। ऐसे में सरकार को उपभोक्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान के लिए स्पष्ट नीति बनानी चाहिए। पार्टी के डॉ. सुनील धायल ने बताया कि टाउनहॉल का उद्देश्य ई20 पेट्रोल को लेकर आमजन के बीच चर्चा और जागरूकता बढ़ाना था। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे से सीधे तौर पर वाहन चालकों और पेट्रोल उपभोक्ताओं का जुड़ाव है।

टोंक में भव्य कलश व शोभायात्रा के साथ श्री शिव महापुराण कथा का हुआ शुभारंभ

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। श्री मंदिर श्री महादेव जी विकास समिति महादेवाली के तत्वावधान में टोंक शहर के अति प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्वयंसिद्ध पीठ 'श्री महादेवाली मंदिर' में सावन मास के उपलक्ष्य में पहली बार आयोजित श्री शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। कथा की शुरुआत मंशापूर्ण भूतेश्वर महादेव मंदिर से एक ऐतिहासिक कलश व शोभायात्रा निकालकर की गई। गुलाबी लहरिये में कलश यात्राः एक ही रंग (गुलाबी) के लहरिये में 1,600 से अधिक महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर पूरी शोभायात्रा की शोभा बढ़ाई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां व बैंडः नासिक के मशहूर सोनू ढोल-ताशा कलाकारों ने अपनी थाप से सबका मन मोहा। इसके साथ ही निम्बाहेड़ा बैंड, शिवम बैंड, सपेरा डांस, कच्ची घोड़ी नृत्य, 2 ऊंट और 4 घोड़ों के साथ शिवगणों व शिव तांडव की सजीव झांकियों ने लोगों को आकर्षित किया। यात्रा के दौरान टोंक पुलिस उपाधीक्षक मृत्युंजय मिश्रा और शहर कोतवाल भंवरलाल वैष्णव के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा।

सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के षष्ठम सत्र की तैयारियां पूर्णता की ओर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जयपुर। सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का षष्ठम सत्र दिनांक 20 अगस्त से आरंभ होने जा रहा है। सत्र के सफल, सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन के लिए विधानसभा सचिवालय द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। सत्र के दौरान विधान सभा परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यातायात, पार्किंग, प्रवेश-निकास, विद्युत, स्वच्छता, चिकित्सा, अग्निशमन तथा अन्य सामान्य व्यवस्थाओं को लेकर भी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर सोमवार को विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा ने षष्ठम सत्र से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सत्र के दौरान किए जाने वाले सुरक्षा एवं सामान्य प्रबंधों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

ग्रामीण वार्डों में प्रत्याशी चयन के लिए कांग्रेस ने बनाई पांच सदस्यीय कमेटी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

लालसोट। नगर निकाय एवं पंचायत राज चुनाव को लेकर सरकार की ओर से कवायद शुरू होने के साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों में हलचल तेज हो गई है। वहीं राजनीतिक चौपालों से लेकर चाय की दुकानों तक चुनावी चर्चाओं का दौर गर्म है। कांग्रेस कमेटी ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए लालसोट नगर परिषद क्षेत्र के ग्रामीण वार्डों में प्रत्याशी चयन की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामजीलाल ओढ़ ने कमेटी में एडवोकेट सूरज सैनी, एडवोकेट श्याम सुंदर मिश्रा, एडवोकेट कमलेश सैनी, एडवोकेट रमेश सैनी तथा एडवोकेट टेकचंद मालिया को सदस्य बनाया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक पुरोहित ने बताया कि जिला अध्यक्ष ने कमेटी को निर्देश दिए हैं कि वह पांच दिन में नगर परिषद क्षेत्र के ग्रामीण वार्डों में प्रत्याशी चयन के लिए सर्वे कर पैनल तैयार कर रिपोर्ट जिला कांग्रेस कमेटी को सौंपे। आरक्षण की स्थिति स्पष्ट होने के बाद कई दावेदार खुलकर सामने आने की संभावना है।

आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र 2023-लगभग 73 प्रतिशत योजनाएं धरातल पर साकार

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने कहा कि आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र- 2023 की लंबित घोषणाओं को शीघ्र धरातल पर उतारा जाए। साथ ही प्रगतिरत योजनाओं का भी शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र की घोषणाएं आमजन के कल्याण और प्रदेश के सर्वांगीण विकास को केन्द्र में रखकर की गई हैं। इनके शीघ्र पूरा होने से आमजन को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह योजनाएं विकसित राजस्थान के संकल्प की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पायदान है। उपमुख्यमंत्री सोमवार को शासन सचिवालय में आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र- 2023 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित मंत्रिमंडलीय समिति की तृतीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने संकल्प पत्र में सम्मिलित विभिन्न घोषणाओं की विभागवार समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा- निर्देश प्रदान किये। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति के बारे में फीडबैक लिया तथा आगामी कार्य योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही -गत समीक्षा बैठक में दिये गए निर्देशों की अनुपालना की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी नियमित रूप से पोर्टल पर अद्यतन करें। उन्होंने संकल्प पत्र की लंबित योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों के संबंध में भी अधिकारियों के साथ चर्चा की तथा उनकी शीघ्र क्रियान्विति के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। डॉ. बैरवा ने कहा कि संकल्प पत्र में किये गए प्रत्येक वादे को प्राथमिकता से शुरू कर निर्धारित समय सीमा में क्रियान्वित किया जाए तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलम्ब नहीं हो।

विश्व आदिवासी दिवस पर ग्लोबलकल्चर म्यूजिक फेस्टिवल में अनिल धींवा की सहभागिता

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बेंगलुरु।(विनोद धायल) विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बेंगलुरु स्थित गार्डन सिटी यूनिवर्सिटी के ओएमआर कैंपस में ग्लोबलकल्चर म्यूजिक फेस्टिवल-2026 का आयोजन किया गया। ग्लोबलकल्चर ऑर्गनाइजेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उद्योग एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनिल धींवा ने सहभागिता की। कार्यक्रम में भारत की जनजातीय एवं लोक संस्कृति, पारंपरिक संगीत और कला को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के साथ इनके संरक्षण पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों, सांस्कृतिक विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और पारंपरिक कला समुदायों ने हिस्सा लिया।

सिद्दी, सोलिगा और लम्बानी कला दलों की प्रस्तुतियों ने भारतीय लोक संस्कृति की विविधता और समृद्ध परंपराओं को दर्शाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनिल धींवा ने कहा कि भारत की जनजातीय संस्कृति केवल ऐतिहासिक विरासत नहीं है, बल्कि यह देश की सभ्यतागत चेतना, प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और सामुदायिक जीवन मूल्यों की जीवंत अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदायों ने पीढ़ियों से अपनी परंपराओं, लोकज्ञान और सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखा है। विश्व आदिवासी दिवस इन समुदायों के योगदान को सम्मान के साथ याद करने और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का अवसर देता है। अनिल धींवा ने कहा कि आज पूरी दुनिया सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विविधता के महत्व को समझ रही है। ऐसे समय में भारत की जनजातीय परंपराओं में मौजूद प्रकृति-सम्मत जीवनशैली और सामुदायिक मूल्यों से दुनिया बहुत कुछ सीख सकती है।

लायंस क्लब: हनुमानदास सिंगल ने ग्रहण किया अध्यक्ष पदभार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

श्रीगंगानगर लायंस क्लब श्रीगंगानगर 'मेन' द्वारा आयोजित पलक-2026 इंस्टॉलेशन सेरेमनी का भव्य आयोजन हनुमानगढ़ रोड मार्ग स्थित एक प्रतिष्ठित होटल में किया गया। समारोह में क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने पदभार ग्रहण किया तथा आगामी वर्ष की सेवा योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के चीफ गेस्ट एवं इंस्टॉलेशन ऑफिसर प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर द्वारका जालान रहे। उन्होंने बेहद रोचक एवं प्रभावशाली अंदाज में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उनके दायित्वों की शपथ दिलाई। साथ ही उन्होंने पूर्व कार्यकारिणी द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और नए पदाधिकारियों को सेवा भाव से आगे बढ़ने का आह्वान किया। समारोह हर्षोल्लास, सौहार्द और सेवा भावना के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

राजस्थान में कला शिक्षा की किताबें तक उपलब्ध नहीं, फिर कैसे लागू होगी NEP-2020

एजेंसी, थिंक राजस्थान

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ सांसद कुलदीप इंदौरा ने राजस्थान के सरकारी विद्यालयों में कला शिक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर केंद्र और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लोकसभा में पूछा कि जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)-2020 में कला शिक्षा और कला-एकीकरण को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है, तो राजस्थान के सरकारी विद्यालयों में कक्षा 3 से 10 तक कला शिक्षा की निर्धारित पाठ्यपुस्तकें और आवश्यक शिक्षण व्यवस्था अभी तक सुनिश्चित क्यों नहीं की गई है।

सांसद इंदौरा ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 शुरू हो चुका है, लेकिन कला शिक्षा की पुस्तकों की उपलब्धता को लेकर राजस्थान में स्थिति स्पष्ट नहीं है। कक्षा 3 से 10 तक एनसीईआरटी की कला शिक्षा पुस्तकों तथा कक्षा 9 और 10 की 'कला कुंज' जैसी पुस्तकों के मुद्रण एवं वितरण को लेकर विद्यार्थियों और शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से इस संबंध में सवाल पूछने पर कोई स्पष्ट समय-सीमा या ठोस कार्ययोजना सामने नहीं रखी गई। केंद्र के जवाब में मुख्य रूप से यह कहा गया कि एनसीईआरटी राज्यों के अनुरोध पर पाठ्यक्रम और पुस्तकों की उपलब्धता में सहायता करती है तथा शिक्षा समवर्ती सूची का विषय होने के कारण पुस्तकों को अपनाने और वितरित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। इंदौरा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें एक-दूसरे की जिम्मेदारी बताकर इस गंभीर समस्या से पल्ला नहीं झाड़ सकतीं। यदि NEP-2020 में कला शिक्षा को महत्वपूर्ण माना गया है, तो उसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र को राज्यों के साथ समन्वय करना चाहिए और राज्य सरकार को विद्यालयों में समय पर किताबें और शिक्षण व्यवस्था उपलब्ध करानी चाहिए। सांसद ने कहा कि कला शिक्षा को केवल एक अतिरिक्त विषय समझना गलत है। चित्रकला, संगीत और अन्य कलाएं बच्चों की रचनात्मकता, कल्पनाशीलता, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र में हरियालो राजस्थान कार्यक्रम आयोजित, महानिदेशक अनिल पालीवाल ने किया पौधारोपण

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रताप नगर (सेक्टर-04) स्थित गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र परिसर में सोमवार को 'हरियालो राजस्थान' कार्यक्रम का हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। रोटरी क्लब के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में गृह रक्षा के अधिकारियों, स्थाई स्टाफ और स्वयंसेवकों ने बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्य अतिथि एवं गणमान्य उपस्थितिः कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महानिदेशक एवं महासमादेष्टा (गृह रक्षा) अनिल पालीवाल (IPS) ने शिरकत की। इस अवसर पर आईजी राजेश मीणा (IPS), डीसीजी बदोराव मीणा एवं जयपुर कमाण्डेन्ट स्वाति शर्मा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पौधों के संरक्षण का संदेशः अनिल पालीवाल ने स्वयं पौधारोपण कर उपस्थित स्टाफ और स्वयंसेवकों को पौधे वितरित किए। उन्होंने कहा कि पौधों को केवल लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि एक परिवार के सदस्य की भांति उनका पालन-पोषण और संरक्षण करना बेहद आवश्यक है। स्वयंसेवकों के हित में प्रयासः डीजी अनिल पालीवाल ने कहा कि गृह रक्षा स्वयंसेवकों के नियोजन के अवसर बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। गृह रक्षा एक अत्यंत समर्पित बल है और ड्यूटी के दौरान लोक सेवक के रूप में प्राप्त संरक्षण उनके कर्तव्यों को और मजबूत बनाता है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों के साथ सामूहिक छायाचित्र लिया गया और अल्पाहार के साथ समारोह का समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गृह रक्षा के महानिदेशक एवं महासमादेष्टा अनिल पालीवाल ने शिरकत की। उनके साथ पुलिस महानिरीक्षक राजेश मीणा, उप महानिरीक्षक गृह रक्षा बदोराव मीणा तथा जयपुर कमाण्डेन्ट स्वाति शर्मा सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण केंद्र परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मुख्य अतिथि अनिल पालीवाल ने स्वयं पौधारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को पौधे वितरित किए तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के बाद उनकी जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती। प्रत्येक पौधे को परिवार के सदस्य की तरह समझकर उसका पालन-पोषण किया जाना चाहिए।

डीग में हर घर तिरंगा रैली को विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

एजेंसी, थिंक राजस्थान

डीग। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत सोमवार को डीग जिला मुख्यालय पर हम एक साथ हैं की भव्य भावना के साथ तिरंगा रैली का सफल आयोजन किया गया। देशभक्ति के उत्साह से सराबोर इस रैली को डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह तथा जिलाध्यक्ष सतीश बंसल ने हरी झंडी दिखाकर नेहरू पार्क से रवाना किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजकुमार कस्वां सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक, महिलाएं, युवा और बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे हाथों में तिरंगा लहराते हुए शामिल हुए। यह तिरंगा यात्रा नेहरू पार्क से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख व्यावसायिक मार्गों से गुजरी। रैली गणेश मंदिर, पुरानी अनाज मंडी, लक्ष्मण मंदिर, मुख्य बाजार, घंटाघर, नई सड़क, राजकीय अस्पताल तथा शहीद स्मारक से होते हुए पुनः नेहरू पार्क पहुंचकर संपन्न हुई।

संपूर्ण यात्रा मार्ग के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोषों से डीग शहर गुंजायमान रहा।

मनोरंजन समाचार

'वाराणसी' की रिलीज से पहले सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा, बप्पा का लिया आशीर्वाद

मुंबई में मौजूद एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा को हाल ही में सोमवार, 10 अगस्त 2026 को सिद्धिविनायक मंदिर में बप्पा का आशीर्वाद लेते हुए देखा गया। स्टार ने शहर के मंदिर का दौरा किया और मंदिर के बाहर जमा फैंस का अभिवादन करती नजर आईं। प्रियंका मंदिर के बाहर सिंपल और साधारण सूट में नजर आईं। बॉलीवुड की देसी गर्ल ने एक सुंदर एथनिक पिंक सूट पहना था और अपने बाल खुले रखे थे, जिससे उनका लुक सिंपल लेकिन बेहद खूबसूरत लग रहा था। मंदिर परिसर से बाहर निकलते समय एक्ट्रेस खुशमिजाज मूड में दिखीं और फैंस को देखकर मुस्कुराते हुए हाथ हिलाती दिखाई दीं। प्रियंका चोपड़ा का लोगों के साथ गर्मजोशी भरा व्यवहार सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है। इस दौरान कई प्रशंसक उनकी एक झलक पाने की कोशिश कर रहे थे। मंदिर जाने से पहले उन्होंने मुस्कुराते हुए लोगों का अभिवादन किया और बाहर आते वक्त भी अपने फैंस को हेलो कहा। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस को पहली बार गोद में लेने वाले उस दिन के बारे में बताया, जो उनकी जिंदगी का सबसे खास दिन था। उन्होंने जे शेट्टी के पॉडकास्ट पर बताया, 'वह पहली बार मेरी छाती पर थी और तब वह लगभग साढ़े 27 हफ्ते की थी।

एआर रहमान के बेटे अमीन की कार का हुआ एक्सीडेंट, चेन्नई में कैब से टकराई कार

सोमवार, 10 अगस्त की सुबह चेन्नई के गिंडी इलाके में एआर रहमान के बेटे और प्लेबैक सिंगर एआर अमीन का कार एक्सीडेंट हो गया। पुलिस ने बताया कि वैगन-आर एक साइड रोड से मुख्य सड़क पर आई और पोर्श से टकरा गई। इस बीच एआर रहमान या उनके बेटे ने इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। आपको बता दें कि अमीन एक प्लेबैक सिंगर हैं और उन्होंने कई भारतीय भाषाओं में काम किया है। वह अपने खुद के म्यूजिक प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार अमीन रहमान एक दोस्त के साथ जा रहे थे तभी ओलंपिया टेक पार्क सिग्नल के पास उनकी कार एक कैब से टकरा गई। यह एक्सीडेंट देर रात हुआ, जिसमें अमीन और उनके दोस्त को मामूली चोटें आईं। टक्कर के बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बाद में दोनों को छुट्टी दे दी गई और वे घर लौट आए। यह घटना गिंडी में हुई और पुलिस ने एक्सीडेंट से जुड़ी परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। टक्कर की वजह के बारे में और जानकारी का इंतजार है। चेन्नई में कार एक्सीडेंट के बाद एआर रहमान की बेटी खतीजा रहमान ने अपने भाई एआर अमीन की सेहत के बारे में जानकारी दी है। सोमवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर खतीजा ने फैंस का उनकी चिंता के लिए शुक्रिया अदा किया और बताया कि अमीन ठीक हैं। उन्होंने हर किसी को अलग-अलग जवाब न दे पाने के लिए माफी भी मांगी। खतीजा ने लिखाः 'सभी को नमस्ते, आपके सभी मैसेज और चिंता के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं हर किसी को अलग-अलग जवाब नहीं दे पा रही हूं। भगवान की कृपा से अमीन सुरक्षित और ठीक हैं।' काम की बात करें तो एआर अमीन ने हाल ही में राम चरण की लेटेस्ट फिल्म 'पेद्दी' के गाने 'चिकिरी चिकिरी' का तमिल वर्शन गाया था। उन्होंने जसलीन रॉयल के साथ इंडिपेंडेंट ट्रैक 'भीगी भीगी' पर भी काम किया है, जिसमें दुलकर सलमान और मृणाल ठाकुर हैं।

नर्मदापुरम के सेठानी घाट पर शूटिंग कर रही गुल्लक फेम हेली शाह ने नर्मदा में लगाई डुबकी

मध्य प्रदेश का नर्मदापुरम इन दिनों एक खास वजह से चर्चा में है। शहर के खूबसूरत और ऐतिहासिक सेठानी घाट पर इन दिनों 'गुल्लक' फेम अभिनेत्री हेली शाह अपनी आगामी वेब सीरीज की शूटिंग कर रही हैं। नर्मदा नदी के किनारे बसे इस खूबसूरत शहर में शूटिंग के दौरान हेली सिर्फ अपने किरदार और कैमरे तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने यहां के माहौल और लोगों से भी दिल से जुड़ने की कोशिश की। शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल के बीच हेली शाह ने नर्मदापुरम में कुछ ऐसे पल भी बिताए, जो उनके ऑन-स्क्रीन ग्लैमर से बिल्कुल अलग और बेहद सादगी भरे नजर आए। अभिनेत्री ने सेठानी घाट पर नर्मदा नदी में डुबकी लगाई और घाट के आध्यात्मिक माहौल को महसूस किया।

जिम से लेकर बेटियों की साइकिलिंग तक, देबिना बनर्जी ने शेयर की निजी जिंदगी की झलक

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री देबिना बनर्जी ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से फैंस के साथ निजी जिंदगी की झलक शेयर करती रहती हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने फैंस को अपने मोबाइल फोन का हाल बयां किया। देबिना बनर्जी ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें उनके रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े छोटे-छोटे पलों से लेकर बच्चों की शुरुआती जिंदगी की झलक शामिल हैं। अभिनेत्री ने बताया कि आजकल उनका फोन छोटी-छोटी चीजों से भरा रहता है, फिर चाहे कहीं घूमने की झलक हो या फिर बच्चों के सीखने के दिन। अभिनेत्री ने लिखा, "आजकल मेरे फोन की गैलरी कुछ इस तरह दिखती है, जिनमें मेरी तैयार होने वाली तस्वीरें, जिम में पसीने में लथपथ, कभी टेनिस खेलकर लाल-लाल गालों वाली, कुछ 10+10 किलो की जीतें, कुछ पिलाटीज और दो नन्ही लड़कियों की, जो साइकिल चलाना, स्केटिंग करना, गिरना, उठना और फिर से कोशिश करना सीख रही हैं। हर किसी की जिंदगी का अलग पड़ाव। हर किसी की अलग ताकत। हम सब, अपने-अपने तरीके से, बस चलते रहना सीख रहे हैं।" अभिनेत्री की पोस्ट को फैंस द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। वे कमेंट सेक्शन के जरिए अभिनेत्री के पोस्ट की जमकर सराहना कर रहे हैं। गुरमीत और देबिना बनर्जी की लव स्टोरी 'रामायण' के सेट से शुरू हुई थी, जहां उन्होंने राम और सीता का किरदार निभाया था। रील लाइफ की यह जोड़ी असल जिंदगी में भी हमसफर बनी।

दोनों ने पहली बार 2011 में शादी की थी और फिर 2021 में दोबारा शादी के बंधन में बंधे। कपल कई रियलिटी शोज में देखा जा चुका है। अभी हाल ही में वे पति-पत्नी और पंगा में नजर आए थे। इस रियलिटी शो में दोनों ने बतौर पति-पत्नी हिस्सा लिया था और शानदार प्रदर्शन करते हुए शो में फर्स्ट रनर अप का स्थान हासिल किया था। देबिना बनर्जी ने सोशल मीडिया पर तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की, जिसमें उनके जीवन के अलग-अलग पड़ावों की झलक दिखाई दी। कभी वह तैयार होती नजर आईं तो कभी जिम में पसीना बहाते हुए दिखाई दीं। कुछ तस्वीरों में टेनिस खेलने के बाद उनके लाल हुए गाल नजर आए, वहीं व्यायाम और शारीरिक सक्रियता से जुड़े पल भी तस्वीरों का हिस्सा रहे। इसके अलावा उनकी दोनों बेटियों के बचपन से जुड़े कई प्यारे क्षण भी अभिनेत्री ने प्रशंसकों के साथ साझा किए। अभिनेत्री ने बताया कि इन दिनों उनके मोबाइल फोन की गैलरी में उनकी अपनी तस्वीरों से ज्यादा बच्चों की गतिविधियों और रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों की तस्वीरें दिखाई देती हैं। उनकी बेटियां साइकिल चलाना और स्केटिंग सीख रही हैं। इस दौरान गिरना, संभलना और दोबारा प्रयास करना भी उनकी दिनचर्या का हिस्सा है। देबिना ने इन्हीं पलों को जिंदगी के अलग-अलग पड़ाव और सीखने की प्रक्रिया से जोड़ते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। अभिनेत्री की तस्वीरों में उनकी फिटनेस को लेकर सक्रियता भी साफ नजर आई। जिम, टेनिस और व्यायाम से जुड़े पलों के जरिए उन्होंने बताया कि व्यस्त पारिवारिक जीवन के बीच वह खुद की सेहत और शारीरिक सक्रियता पर भी ध्यान देती हैं।

अर्जुन कपूर ने शेयर की लंदन डायरीज, जाह्नवी कपूर संग दिखी खास बॉन्डिंग

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से लंदन में बिताए गए पलों की झलकियां शेयर कीं। अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वे बहन जाह्नवी कपूर समेत कई लोगों के साथ नजर आ रहे हैं। पहली तस्वीर में अर्जुन को एक रेस्टोरेंट में बैठे देखा जा सकता है, जो प्लेटों और ड्रिंक्स से भरी एक टेबल के सामने पोज दे रहे हैं। अगली तस्वीर में एक्टर सूट में नजर आ रहे हैं, जबकि एक अन्य तस्वीर में वे बहन जाह्नवी कपूर के साथ पोज देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। बाकी तस्वीरों में अभिनेता की लंदन डायरीज शामिल हैं। अभिनेता ने पोस्ट शेयर कर लिखा, "लंदन की गर्मियों की एक पारी पूरा कर ली।" अभिनेता की पोस्ट को फैंस द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। हालांकि, फैंस ये कयास भी लगा रहे हैं कि अभिनेता की ये पोस्ट लंदन के मशहूर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में इंडिया बनाम इंग्लैंड ओडीआई मैच के दौरान का है। दरअसल, जान्हवी कपूर और अर्जुन कपूर को हाल ही में लंदन के मशहूर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में इंडिया बनाम इंग्लैंड ओडीआई देखने के लिए थे। दोनों ने शानदार फॉर्मल लुक में ट्विन किया, जिसमें जान्हवी ने एक रिच चॉकलेट-ब्राउन, डबल-ब्रेस्टेड ब्लेजर चुना। वहीं, अर्जुन कपूर ने गहरे नेवी-ब्लू शेड का सिंगल-ब्रेस्टेड सूट जैकेट पहना था। अर्जुन और जान्हवी के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है और उन्हें कई मौकों पर एक-दूसरे को सपोर्ट करते देखा गया है। अर्जुन कपूर और जान्हवी कपूर सौतेले भाई-बहन हैं। फिल्ममेकर बोनी कपूर उनके पिता हैं। अर्जुन, बोनी कपूर और उनकी पहली पत्नी स्वर्गीय मोना शौरी कपूर के बेटे हैं, जबकि जान्हवी बोनी की दूसरी पत्नी दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी हैं। 2018 में जान्हवी की मां श्रीदेवी की मौत के बाद अर्जुन और जान्हवी का रिश्ता और मजबूत हो गया। हालांकि भाई-बहन अलग-अलग पले-बढ़े थे, लेकिन अर्जुन और उनकी बहन अंशुला कपूर मुश्किल समय में जान्हवी और खुशी के लिए एक अहम सपोर्ट बने। अर्जुन कपूर द्वारा साझा की गई तस्वीरों में वह अलग-अलग अंदाज में नजर आए। एक तस्वीर में अभिनेता रेस्टोरेंट में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं, जहां उनके सामने खाने-पीने से सजी मेज नजर आ रही है। दूसरी तस्वीर में वह औपचारिक परिधान में नजर आए, जबकि एक अन्य तस्वीर में उन्होंने अपनी सौतेली बहन जाह्नवी कपूर के साथ तस्वीर खिंचवाई। बाकी तस्वीरों में अर्जुन की लंदन यात्रा के दौरान बिताए गए अलग-अलग पलों की झलक देखने को मिली। अभिनेता ने इन तस्वीरों के साथ अपनी यात्रा को याद करते हुए लिखा कि उन्होंने लंदन की गर्मियों की एक और पारी पूरी कर ली है। उनकी इस पोस्ट के सामने आने के बाद प्रशंसकों ने कमेंट के जरिए तस्वीरों की तारीफ की। कई लोगों ने अर्जुन के लंदन प्रवास के दौरान उनके साथ मौजूद लोगों और वहां बिताए गए समय को लेकर भी अपनी उत्सुकता जाहिर की। अर्जुन की इस पोस्ट को लेकर प्रशंसकों के बीच एक और चर्चा शुरू हो गई। कुछ प्रशंसकों ने अनुमान लगाया कि उनकी तस्वीरें लंदन के प्रसिद्ध लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए एकदिवसीय मुकाबले के आसपास की हो सकती हैं। हालांकि, अभिनेता ने अपनी पोस्ट में इस बात की स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। दरअसल, जाह्नवी कपूर और अर्जुन कपूर को हाल ही में लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान में भारत और इंग्लैंड के बीच मुकाबला देखने के दौरान भी देखा गया था। इस दौरान दोनों भाई-बहन अपने शानदार औपचारिक परिधानों को लेकर चर्चा में रहे। जाह्नवी ने गहरे भूरे रंग का आकर्षक दोहरी कतार वाला कोट पहना था, जबकि अर्जुन गहरे नीले रंग के औपचारिक परिधान में नजर आए थे। क्रिकेट मुकाबले के दौरान दोनों की मौजूदगी ने भी प्रशंसकों का ध्यान खींचा था। दोनों ने कैमरे के सामने तस्वीरें खिंचवाईं और अपने अंदाज से कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों के बीच भी चर्चा बटोरी। इसके बाद अर्जुन द्वारा लंदन की तस्वीरें साझा किए जाने से प्रशंसकों को उनकी यात्रा और क्रिकेट मुकाबले के बीच संबंध जोड़ने का मौका मिल गया। अर्जुन और जाह्नवी के बीच पारिवारिक रिश्ता होने के साथ-साथ अच्छा भावनात्मक जुड़ाव भी देखने को मिलता है। दोनों कई मौकों पर एक-दूसरे का समर्थन करते नजर आए हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी दोनों भाई-बहन एक-दूसरे के साथ सहज दिखाई देते हैं और परिवार से जुड़े अवसरों पर साथ नजर आते रहते हैं।

अमृता खानविलकर-हिमांशु मल्होत्रा ने तलाक की अफवाहों पर लगाया फुल स्टॉप, लीगल टीम ने जारी किया स्टेटमेंट

अमृता खानविलकर और हिमांशु मल्होत्रा मनोरंजन जगत के चर्चित और पसंदीदा कपल्स में से एक हैं, जो पिछले कुछ दिनों से अपनी तलाक की अफवाहों को लेकर चर्चा में हैं और अब आखिरकार कपल ने अपनी शादी को लेकर चल रही खबरों पर बात की है। कपल ने सोशल मीडिया पर एक जॉइंट स्टेटमेंट शेयर किया है। अमृता और हिमांशु की लीगल टीम ने उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में अफवाहें और बिना पुष्टि वाले दावे फैलाने को लेकर सख्त चेतावनी जारी की है। खानविलकर और मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर एक जॉइंट इस्टेटमेंट शेयर किया है जो '10 अगस्त 2026 से लागू' होगा। यह बयान तब आया है जब ऐसी खबरें आ रही थीं कि यह कपल अलग-अलग रह रहा है। अमृता खानविलकर और हिमांशु मल्होत्रा की लीगल टीम की ओर से जारी स्टेटमेंट में कहा गया है कि कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर खानविलकर के बारे में ऐसा कंटेंट फैलाया जा रहा था जो 'बेबुनियाद, मानहानि करने वाला औरउनकी प्राइवेसी का उल्लंघन करने वाला' है। बयान में लिखा है- 'हमने देखा कि कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म अमृता खानविलकर और उनकी निजी जिंदगी के बारे में ऐसा कंटेंट फैला रहे हैं, जो बेबुनियाद और मानहानि करने वाला है या उनकी प्राइवेसी का उल्लंघन करता है।

टॉक्सिक में यश के साथ काम करने का क्या असर दिल में रह गया, रुक्मिणी वसंत ने किया रिवील

बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का ट्रेलर एक ग्रैंड लॉन्च इवेंट में रिवील हुआ, जिसने ऑडियंस को पहली झलक दी इस फिल्म की हाई-ऑक्टेन दुनिया की, जहां एक्शन, क्राइम, रोमांस और धोखे का तगड़ा मिक्स देखने को मिलता है। धमाकेदार विजुअल्स और larger-than-life स्केल के बीच, डायरेक्टर गीति मोहनदास और रॉकिंग स्टार यश के लिए रुक्मिणी वसंत के शब्द इस शाम के सबसे यादगार मोमेंट्स में से एक बन गए। स्टेज पर आते ही, फिल्म में रहस्यमयी मेलिसा का किरदार निभा रहीं रुक्मिणी ने गीति मोहनदास का दिल से शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उन्हें इस कॉम्प्लेक्स किरदार को समझने और एक्टर के तौर पर नई सीमाएं एक्सप्लोर करने के लिए गाइड किया। उन्होंने कहा, मैं गीति मोहनदास को थैंक यू कहना चाहूंगी, जो एकदम इंडॉमिटेबल डायरेक्टर हैं। इस फिल्म और इस कॉम्प्लेक्स कैरेक्टर के दौरान मेरा हाथ थामे रखने के लिए शुक्रिया। कभी हार न मानने के लिए शुक्रिया। आपने मुझे हमेशा और आगे जाने के लिए पुश किया और मुझसे और ज्यादा डिमांड किया। मैंने बहुत कुछ सीखा है और मैं बेहद ग्रेटफुल हूं।

ट्रेलर में रुक्मिणी एक बिल्कुल नए और स्ट्राइकिंग अवतार में नजर आती हैं, अपने girl-next-door इमेज से हटकर मेलिसा के किरदार को एक शार्प और रहस्यमयी अंदाज में जीती हुई।

उनका किरदार क्राइम, रोमांस और धोखे की दुनिया में गहराई से डूबा हुआ लगता है, जो फिल्म की पावरफुल फीमेल कास्ट में एक और दिलचस्प लेयर जोड़ता है। रुक्मिणी ने रॉकिंग स्टार यश का भी खास जिक्र किया और फिल्म के दौरान मिले उनके सपोर्ट, ट्रस्ट और क्रिएटिव फ्रीडम की तारीफ की। उनके साथ काम करने के एक्सपीरियंस को याद करते हुए उन्होंने कहा, यश सर, मैं आपके बारे में एक आर्टिस्ट और एक स्टार के तौर पर बहुत कुछ कह सकती हूं। लेकिन जो बात शुरू से मेरे साथ रही और आगे भी रहेगी, वो ये है कि मैं सेट पर एक एक्टर के तौर पर आई थी और आपने मुझे एक कोलैबोरेटर बनने के लिए इनवाइट किया। "इस जेनेरोसिटी के लिए थैंक यू।"

सार समाचार

PoK में पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों के खिलाफ इटली में प्रदर्शन, विरोध में निकाला मार्च

रोम। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तानी बलों की ओर से निर्दोष नागरिकों की हत्या का विरोध इटली तक देखने को मिल रहा है। इस विरोध के चलते इटली के बोलोन्या शहर में कश्मीरी प्रवासी समुदाय के हजारों लोगों ने विरोध मार्च निकाला। यह प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ है जब क्षेत्र में तनाव और अशांति लगातार बढ़ रही है। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी बलों के खिलाफ नारे लगाए और जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के प्रति अपना समर्थन जताया। सोमवार को जेएएसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि इटली में कश्मीरियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह पाकिस्तानी बलों की ओर से निहत्थे नागरिकों के कथित 'नरसंहार' के खिलाफ आवाज उठाए।

जेएएसी ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी केवल अपने बुनियादी अधिकारों की मांग कर रहे हैं। यह विरोध मार्च ऐसे समय में हुआ है जब दुनिया के कई देशों में कश्मीरी प्रवासी समुदाय की ओर से प्रदर्शन किए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पीओके में पाकिस्तानी प्रशासन शांतिपूर्ण लोगों पर कठोर कार्रवाई कर रहा है और उन्होंने इस मामले में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की मांग की है। इस बीच, पीओके स्थित मानवाधिकार दस्तावेजीकरण और निगरानी संस्था जम्मू कश्मीर ह्यूमन राइट्स ऑब्जर्वेटरी (जेकेएचआरओ) के अनुसार, पांच जून से पांच अगस्त के बीच क्षेत्र में बढ़ती अशांति के दौरान 93 नागरिकों की मौत दर्ज की गई। उन्होंने पीओके में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी बलों की कथित कार्रवाई की निंदा की।

बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान से मिले भारत के उच्चायुक्त, आपसी हितों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने सोमवार को पहली बार बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। यह बातचीत द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हितों पर केंद्रित रही। मुलाकात के दौरान उच्चायुक्त ने पीएम तारिक रहमान को भारत के प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत, बांग्लादेश की सरकार और यहां के लोगों के साथ सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्य को ध्यान में रखकर मिलकर काम करना चाहता है। दोनों पक्षों ने आपसी हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। साथ ही भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के संभावित तरीकों पर चर्चा की गई। 'बिम्सटेक' बंगाल की खाड़ी के आसपास और उससे जुड़े क्षेत्रों के सात सदस्य देशों का एक समूह है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क में एक सभा को करेंगे संबोधित

वॉशिंगटन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क शहर में हिंदू अमेरिकियों की एक बड़ी सभा को संबोधित करेंगे। आयोजकों के एक बयान के अनुसार, 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' में देश भर से हिंदू सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, सेवा और सामुदायिक संगठन एक साथ आएंगे। यह आयोजन रक्षाबंधन के त्योहार के समय होगा। इसमें एकता, नागरिक ज़िम्मेदारी, सामाजिक सद्भाव और अलग-अलग धर्मों के बीच आपसी समझ पर जोर दिया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन 'अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' द्वारा सैकड़ों सहयोगी संगठनों के साथ मिलकर किया जा रहा है। आयोजकों ने इसे अमेरिका में होने वाले सबसे बड़े और सबसे विविध हिंदू सामुदायिक आयोजनों में से एक बताया है। यह कार्यक्रम बातचीत, आपसी सम्मान, साझा जिम्मेदारी और सेवा के लिए 'वसुधैव कुटुंबकम' (पूरी दुनिया एक परिवार है) के प्राचीन भारतीय दार्शनिक सिद्धांत को एक आधार के तौर पर पेश करेगा। उम्मीद है कि इसमें अलग-अलग भाषाई, क्षेत्रीय, सांस्कृतिक और संगठनात्मक पृष्ठभूमि वाले लोग शामिल होंगे। आयोजकों ने कहा कि इस कार्यक्रम का मकसद यह दिखाना होगा कि कैसे एक विविधतापूर्ण समुदाय अपनी अलग-अलग परंपराओं को बनाए रखते हुए भी साझा मूल्यों के आधार पर एकजुट हो सकता है। रक्षा बंधन पारंपरिक रूप से भाई-बहनों के बीच के रिश्ते और एक-दूसरे की सुरक्षा और देखभाल की जिम्मेदारी का सम्मान करता है।

'होर्मुज पर अब सिर्फ US नेवी का कंट्रोल', ट्रंप बोले- ईरान से लेंगे युद्ध का मुआवजा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जहां एक ओर यह दावा किया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अब सिर्फ अमेरिकी नौसेना का कंट्रोल है वहीं उन्होंने ईरान से युद्ध के दौरान हुए नुकसान को लेकर मुआवजे की मांग भी रख दी है। मुआवजे की यहा मांग उन्होंने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट के जरिए की है। डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर कहा कि इस पर अब केवल अमेरिकी नौसेना का नियंत्रण है और इस इलाके में अमेरिकी नाकाबंदी पूरी तरह से मजबूत है। उन्होंने इस नाकाबंदी को स्टील के दीवार की तरह बताया और कहा कि अमेरिका उन्हीं जहाजों को रास्ता देगा जिन्हें वह इस क्षेत्र से गुजरने देना चाहता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमारा 100 प्रतिशत कंट्रोल है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जबकि होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव लगातार चर्चा में है। दोनों देशों की ओर से तरह-तरह के बयान आ रहे हैं। लेकिन अभी तक किसी ठोस समझौते पर नहीं पहुंचा जा सका है। इस बीच ट्रंप ने साफ कर दिया है कि ईरान को कोई मुआवजा नहीं मिलेगा। उल्टा इस युद्ध में हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए ईरान अमेरिका को मुआवजा दे। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल ट्रूथ पर एक पोस्ट में यह बात कही है। डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा-"मैं देख रहा हूं कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान के रिप्रेजेंटेटिव पिछले पांच महीने की मिलिट्री लड़ाई (जो इसलिए शुरू हुई क्योंकि उनके पास न्यूक्लियर वेपन नहीं होगा) के दौरान हुए नुकसान के लिए मुआवज़ा मांग रहे हैं, जबकि हमारी किसी भी बातचीत या मीटिंग में इसका जिक्र नहीं हुआ! लेकिन यह एक दिलचस्प आइडिया है क्योंकि अब मैं भी ईरान से मुआवज़े की मांग कर रहा हूं, उन सभी लोगों के लिए जिन्हें उन्होंने अपने रोडसाइड बमों और कई लड़ाइयों से मारा है और गंभीर रूप से घायल किया है, जिसके लिए वे मशहूर हैं, जिसकी शुरुआत जनरल सुलेमानी ने की थी, जिसमें USS कोल पर मारे गए लोगों के परिवार और लड़ाई में मारे गए हज़ारों दूसरे लोग शामिल हैं।" इसके चलते वैश्विक तेल बाजार में भी अस्थिरता बढ़ी है।

कोलंबिया में 7.4 तीव्रता का भूकंप, कई देशों में महसूस किए गए झटके; 79 की मौत

दक्षिण अमेरीकी महाद्वीप के कोलंबिया में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। जानकारी के मुताबिक भूकंप के ये झटके पश्चिमी कोलंबिया में महसूस किए गए। इस जबरदस्त भूकंप ने दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया और पड़ोसी इक्वाडोर को हिलाकर रख दिया। भूकंप की वजह से लोग घबरा गए और आनन-फानन में लोगों को अपने घरों और इमारतों से बाहर निकलना पड़ा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे और कोलंबिया की संबंधित एजेंसी, दोनों ने भूकंप की तीव्रता 7.4 बताई। दोनों एजेंसियों का कहना है कि भूकंप का केंद्र काफी गहराई में था। दोनों ने भूकंप का केंद्र सैन होजे डेल पाल्मार बताया, जो कोलंबिया की राजधानी बोगोटा से लगभग 250 मील (400 किलोमीटर) पश्चिम में स्थित एक इलाका है। फिलहाल इस भूकंप के बाद अधिकारियों ने बताया कि इमारतें गिरने के कई मामले सामने आए हैं। इमारतों में कई लोगों के दबे होने की सूचना भी मिल रही है। अभी तक की जानकारी के मुताबिक 79 लोगों की मौत भी हो गई है। वहीं अलग-अलग इलाकों में रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है। बता दें कि यह भूकंप जून के आखिर में वेनेजुएला में लगातार आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंपों के बाद आया है। उन भूकंपों में सैकड़ों इमारतें नष्ट हो गई थीं और 5,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। यह वेनेजुएला में पिछले 125 सालों का सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इस आपदा ने पूरे देश को हिला दिया। मध्य और पश्चिमी कोलंबिया में छोटे भूकंप, जिन्हें "टेम्ब्लोरेस" कहा जाता है, आम हैं, लेकिन 6.0 तीव्रता से ज्यादा वाले भूकंप कम ही आते हैं। 1999 में, अर्मेनिया शहर के पास 6.2 तीव्रता के भूकंप में 1,100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

रूस और यूक्रेन ने एक-दूसरे पर जमकर बरसाए बम, 7 लोगों की मौत, रूस के सीमांत इलाकों में भारी नुकसान

रूस और यूक्रेन के बीच एक बार फिर भीषण युद्ध छिड़ गया है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर रातभर बमबारी की। इसमें दोनों देशों के कई लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के शहरों में रूस रोजाना बड़े हमले कर रहा है। इससे यूक्रेन को भारी नुकसान हो रहा है। यूक्रेन के पास अमेरिका का पैट्रियट सिस्टम एकमात्र एयर डिफेंस है, लेकिन इसके इंटरसेप्टर की भारी कमी होने के कारण यूक्रेन रूसी मिसाइलों को रोक नहीं पा रहा है। हालांकि, यूक्रेन ने भी जवाबी कार्रवाई में रूस को नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन ने रूस के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन हमला किया। इससे बेलगोरोड में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो दर्जन लोग घायल हो गए। इनमें एक 4 साल का लड़का भी शामिल है। वहीं, यूक्रेन के खार्किव में एक ऊंची बिल्डिंग वाले अपार्टमेंट ब्लॉक पर रूसी मिसाइलों से हमला हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 13 घायल हो गए। यूक्रेन के ब्लैक सी पोर्ट ओडेसा में दर्जनों मिसाइलों और ड्रोन के हमले में आठ लोग घायल हो गए। यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोडिमिर जेलेंस्की कई महीनों से अमेरिका और अन्य देशों से पैट्रियट सिस्टम हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि आम लोगों की सुरक्षा के लिए यह बेहद जरूरी है। हालांकि, अमेरिका खुद ईरान के साथ युद्ध में उलझा हुआ है और वहां पैट्रियट सिस्टम की कमी हो गई है। जेलेंस्की यूक्रेन के अंदर पैट्रियट सिस्टम बनाने की अनुमति चाहते हैं या एलन मस्क से अपने स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम का इस्तेमाल करके रूस के अंदर हमलों को गाइड करने की मंजूरी लेना चाहते हैं, जो उसके मिसाइल लॉन्चर को मार गिरा सकते हैं। रूस के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर, देश के सबसे बड़े ऑनलाइन रिटेलर, वाइल्डबेरीज और रूस के अंदर दूसरे टारगेट पर यूक्रेन लंबी दूरी के ड्रोन से हमला कर रहा है। इससे रूस में फ्यूल का संकट पैदा हो गया है। रूस के डिफेंस मिनिस्ट्री ने रविवार को दावा किया कि रात भर में खार्किव इलाके में ड्रोन वेयरहाउस, ओडेसा पोर्ट पर यूक्रेन की सेना के फ्यूल डिपो और दूसरे सामान के स्टोर शामिल थे।

सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के रक्षा समझौते को ईरान ने माना अमेरिका विरोधी

तेहरान। ईरान के मुताबिक हाल ही में सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच हुआ रक्षा समझौता 'अमेरिका विरोधी' है। सोमवार को साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा ये 'सोच में बदलाव का संकेत' है। बाघेई ने कहा कि जैसे हालात पिछले दो तीन साल में बने हैं उन्हें देखते हुए इस क्षेत्र के देशों ने समझ लिया है कि सुरक्षा कोई ऐसी चीज नहीं है जो किसी फर्जी मध्यस्थ के जरिए हासिल की जा सकती है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ईरान को इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने इसकी वजह इन देशों के साथ उसके धार्मिक, ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों को बताया।

आईआरएनए ने बाघेई के हवाले से कहा, "यह डेवलपमेंट इस बात का एक संकेत है कि इस इलाके के देश इस नतीजे पर पहुंच गए हैं कि वे यूनाइटेड स्टेट्स और इलाके के बाहर के कुछ दूसरे देशों की ओर से दिए गए सिक्योरिटी के दावे पर भरोसा नहीं कर सकते, और वे अपनी काबिलियत और नजरिए पर भरोसा करके दूसरा तरीका आजमाने की कोशिश कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा, "कोई भी योजना जो इस इलाके की भू राजनीतिक और क्षेत्र की ऐतिहासिक वास्तविकताओं पर आधारित हो वो व्यापक और समावेशी है।"

शुक्रवार को पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की ने 'मक्का जॉइंट डिफेंस पैक्ट' पर हस्ताक्षर किए। समझौते को लेकर तीनों देशों ने माना कि ये सिर्फ रक्षा सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि सैन्य और रणनीतिक गठजोड़ को नए स्तर पर ले जाने की कोशिश है।

श्रीलंका में विपक्ष के नेता सागर करियावासम गिरफ्तार, पुलिस प्रमुख को धमकी देने का आरोप

कोलंबो। श्रीलंका में विपक्ष के वरिष्ठ नेता सागर करियावासम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें पहले सेंट्रल क्राइम इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो बुलाया गया था, जहां से बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के मुताबिक उनपर पुलिस प्रमुख प्रियंथा वीरासुरिया के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि इसी मामले में उन्हें बयान दर्ज करने के लिए बुलाया गया था, जहां से उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार सागर करियावासम पर पुलिस प्रमुख प्रियंथा वीरासुरिया को धमकाने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीलंका में विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें पुलिस प्रमुख प्रियंथा वीरासुरिया के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि प्रभावशाली राजपक्षे परिवार के नेतृत्व वाली श्रीलंका पोडुजाना पेरामुना (SLPP) के महासचिव सागर करियावासम को वीरासुरिया के बारे में सार्वजनिक रूप से की गई टिप्पणियों पर बयान दर्ज कराने के लिए सेंट्रल क्राइम इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो बुलाया गया था। उन्होंने बताया कि इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार, करियावासम पर वीरासुरिया को धमकाने का आरोप है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब करियावासम ने पिछले हफ्ते SLPP मुख्यालय में एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान पुलिस महानिरीक्षक (IGP) पर सरकार के "गुर्गे" के तौर पर काम करने का आरोप लगाया और उनसे सरकार के बजाय देश और जनता की सेवा करने को कहा।

उनकी गिरफ्तारी विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ चल रहे कई कानूनी मामलों के बीच हुई है; इनमें से कई लोगों को पिछले दो वर्षों में दोषी ठहराया गया है या सजा सुनाई गई है। SLPP ने सरकार पर विपक्षी नेताओं के खिलाफ "विच हंट" (राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई) करने का आरोप लगाया है। इससे पहले हाल ही में श्रीलंका पुलिस के पूर्व प्रमुख पुजित जयसुंदरा और रक्षा मंत्रालय के तत्कालीन शीर्ष नौकरशाह हेमासिरी फर्नांडो को 2019 के ईस्टर संडे आतंकी हमले के मामले में शुक्रवार को मौत की सजा सुनाई गई। इस हमले में 270 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। उच्च न्यायालय ने दोनों पूर्व अधिकारियों को पहले से मिली खुफिया चेतावनियों पर कार्रवाई नहीं करने का दोषी माना। अदालत ने कहा कि अगर समय पर कार्रवाई की जाती, तो इन हमलों को रोका जा सकता था।

मूल कारण खत्म किए बिना यूक्रेन के साथ संघर्ष रोकना संभव नहीं

नई दिल्ली। यूक्रेन के साथ जारी संघर्ष को अस्थायी रूप से रोकने के विकल्प को रूस ने खारिज कर दिया है। रूस के उप विदेश मंत्री मिखाइल गलुजिन ने कहा कि संकट का समाधान तभी संभव है, जब इसके मूल कारणों को खत्म किया जाए। मिखाइल गलुजिन ने रूसी समाचार एजेंसी 'तास' को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि रूस का मानना है कि इस संकट की जड़ में मौजूद कारणों को खत्म करना जरूरी है। समाचार एजेंसी तास के अनुसार, उप विदेश मंत्री ने कहा, "रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कई बार कह चुके हैं कि इस संकट के मूल कारणों को खत्म किए बिना किसी तरह का फ्रीज संभव नहीं है।" उन्होंने कहा कि यह साफ है कि जेलेंस्की पूरी तरह से हकीकत से कट चुके हैं और संघर्ष को और बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

उनके कदमों से उन देशों में भी नाराजगी पैदा हो रही है, जिन्हें कीव अपना साझेदार मानता है। गलुजिन ने कहा, "नागरिक ऊर्जा ढांचे पर किए गए बर्बर हमले ही बहुत कुछ बता देते हैं। जुलाई और अगस्त में यूक्रेनी बलों ने ड्रोन का इस्तेमाल करके कैस्पियन पाइपलाइन कंसोर्टियम (सीपीसी) के संचालन से जुड़ी सुविधाओं पर दिखावटी आतंकवादी हमले किए। यह पाइपलाइन मुख्य रूप से कजाखस्तान की अर्थव्यवस्था के हितों की सेवा करती है।" तास की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस पर उचित प्रतिक्रिया देगा। इसमें अमेरिका और यूरोपीय देश भी शामिल हैं, जिनका कीव सरकार पर प्रभाव है और जिनकी तेल तथा गैस कंपनियों की सीपीसी में हिस्सेदारी है।

अमेरिकी दस्तावेजों में पीएम मोदी की तारीफ, ट्रंप संग रिश्तों और कूटनीति को मिला समर्थन

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग के दस्तावेजों के मुताबिक, फरवरी 2025 में वॉशिंगटन यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक पहल, रक्षा समझौतों और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनके व्यक्तिगत संबंधों की भारतीय सोशल मीडिया यूजर्स ने काफी सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फरवरी 2025 में अमेरिका यात्रा के दौरान की गई कूटनीतिक पहल, रक्षा समझौतों और अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उनके व्यक्तिगत रिश्तों की भारतीय सोशल मीडिया यूजर्स ने सराहना की थी। यह जानकारी अमेरिकी विदेश विभाग के हाल ही में जारी दस्तावेजों में सामने आई है। अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम के तहत जुलाई में जारी किए गए दस्तावेजों में कहा गया है कि पीएम मोदी के समर्थकों ने राष्ट्रपति ट्रंप, उद्योगपति एलन मस्क और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के साथ उनकी मुलाकातों को वैश्विक मंच पर भारत के हितों को आगे बढ़ाने की रणनीतिक कोशिश के रूप में देखा। 18 फरवरी 2025 की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापार वार्ता और रक्षा समझौतों जैसे मुद्दों पर पीएम मोदी की कूटनीतिक सक्रियता की कई वर्गों में प्रशंसा हुई।राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पीएम मोदी को टफ नेगोशिएटर कहे जाने को भी लोगों ने सकारात्मक रूप से लिया। सोशल मीडिया पर इसे भारत के हितों की मजबूत पैरवी के रूप में देखा गया। अमेरिकी दूतावास के विश्लेषण में भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा से जुड़ी प्रतिक्रियाओं का अध्ययन किया गया था। इसमें यात्रा को लेकर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की चर्चाओं का उल्लेख किया गया।

खेल समाचार

सरफराज खान के रिप्लेसमेंट का हुआ ऐलान, 25 साल के प्लेयर को मिला दलीप ट्रॉफी में मौका

मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान को काफी समय बाद भारतीय टीम में चुना गया है। उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए चोटिल साई सुदर्शन की जगह टीम इंडिया में जगह मिली है।

सुदर्शन चोट के कारण 15 अगस्त से श्रीलंका में शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। सरफराज ने भारत के लिए अपना पिछला टेस्ट मैच नवंबर 2024 में खेला था। 28 साल के सरफराज दलीप ट्रॉफी 2026 के लिए वेस्ट जोन की टीम में शामिल थे, लेकिन अब भारतीय टीम में उनका चयन हुआ है और इस वजह से वेस्ट जोन के स्क्वॉड में बदलाव किया गया है। अब वेस्ट जोन की टीम में सरफराज की जगह सौराष्ट्र के 25 साल के बल्लेबाज जय गोहिल को मौका दिया गया है। वेस्ट जोन और मुंबई के चीफ सेलेक्टर राजेश पवार ने कहा कि सरफराज की जगह गोहिल को शामिल किया गया है। इससे पहले वे स्टैंडबाय खिलाड़ियों में शामिल थे। गोहिल ने इस सीजन रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के लिए लगातार बेहतरीन खेल दिखाया है। टीम में विकेटकीपर हार्विक देसाई के बाद गोहिल सौराष्ट्र के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। गोहिल ने अपने पहले फर्स्ट-क्लास मैच की शुरुआत दिसंबर 2022 में असम के खिलाफ की थी। वे 2022-23 का रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने वाली सौराष्ट्र टीम का हिस्सा थे, जहां उन्होंने नौ पारियों में लगभग 37 की औसत से कुल 337 रन बनाए थे।

सौरव गांगुली और उनके परिवार को मिली जान से मारने की धमकी, लेटर में लिखा- 'तुम्हें खत्म कर देंगे'

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली और उनकी पत्नी डोना गांगुली को जान से मारने की धमकी मिली है। गांगुली परिवार ने इस बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, सोमवार को सौरव गांगुली के ऑफिस में इंग्लिश में लिखा हुआ एक लेटर आया था, जिसमें उन्हें और उनके पूरे परिवार को खत्म करने की बात कही गई थी। इस धमकी के बाद से गांगुली परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता काफी बढ़ गई है।

जानकारी के मुताबिक, गांगुली परिवार को इस तरह का धमकी भरा खत पहली बार नहीं मिला है, बल्कि पहले भी ऐसा हो चुका है। शुरुआत में परिवार ने इसे किसी जुनूनी फैन का काम समझकर टाल दिया था और इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। लेकिन जब ऐसे लेटर बार-बार आने लगे, तो परेशान होकर परिवार ने आखिरकार पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले ही सौरव गांगुली को ICC के हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था। गांगुली परिवार ने इस मामले की शिकायत कोलकाता के ठाकुरपुकुर थाने में दर्ज कराई है। इसके साथ ही राज्य सरकार के सुरक्षा विभाग को भी खबर दे दी गई है और तुरंत कार्रवाई करने को कहा गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह लेटर कूरियर के जरिए गांगुली के ऑफिस भेजा गया था। लिफाफे पर भेजने वाले का नाम 'अरुण कुमार' लिखा था।

शुभमन गिल का कप्तानी में कैसा रहा है रिकॉर्ड? अबकी बार श्रीलंका में होगा असली टेस्ट

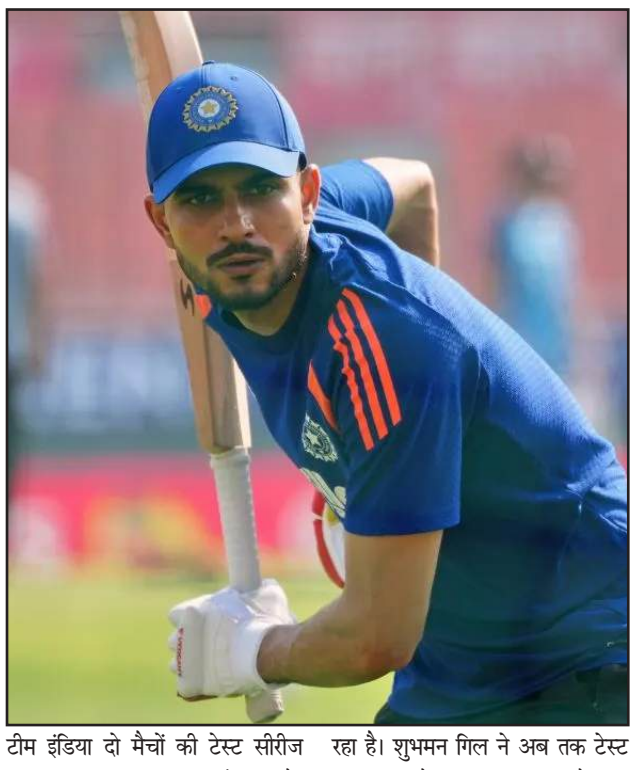

टीम इंडिया दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इन दिनों श्रीलंका दौरे पर है। 15 अगस्त से गॉल में दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा। इस सीरीज में टीम इंडिया की अगुवाई शुभमन गिल करेंगे। कप्तान गिल के पास इस सीरीज के पास इस सीरीज में नई चुनौती होगी। दरअसल शुभमन गिल पहली बार श्रीलंका में कोई टेस्ट मैच खेलेंगे। इससे पहले उन्होंने अभी तक श्रीलंका के खिलाफ भी एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है। श्रीलंका सीरीज से पहले हम आपको बताएंगे कि कप्तान के तौर पर शुभमन गिल का रिकॉर्ड कैसा रहा है। शुभमन गिल ने अब तक टेस्ट में कुल 9 मैचों में कप्तानी की है। इस दौरान टीम इंडिया को 5 मैचों में जीत मिली है, वहीं 3 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। एक मुकाबला ऐसा रहा है जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ है। टीम इंडिया ने अपना पिछला टेस्ट मैच अफगानिस्तान के खिलाफ इसी साल जून में खेला था। उस मैच में टीम इंडिया ने पारी और 300 रनों के अंतर से जीत दर्ज की थी। गिल ने पिछले साल इंग्लैंड दौरे से टीम इंडिया की कमान संभाली थी। शुभमन गिल का कप्तान के तौर पर बल्लेबाजी में रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है।

वेस्टइंडीज को लगा तगड़ा झटका, ODI वर्ल्ड कप 2027 में सीधे एंट्री का मौका खत्म

2 बार की वर्ल्ड चैंपियन वेस्टइंडीज की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। वेस्टइंडीज की टीम अब सीधे ODI वर्ल्ड कप में जगह बनाने की स्थिति में नहीं है। 2027 वर्ल्ड कप में पहुंचने के लिए वेस्टइंडीज को एक बार फिर क्वालीफायर टूर्नामेंट की चुनौती से गुजरना होगा। यह लगातार तीसरी बार है जब कैरेबियाई टीम को वर्ल्ड कप में जगह बनाने के लिए क्वालीफायर का रास्ता अपनाना पड़ेगा। 2027 ODI वर्ल्ड कप के लिए 30 सितंबर 2026 की ICC ODI रैंकिंग के आधार पर शीर्ष आठ टीमें सीधे क्वालीफाई करेंगी। हालांकि, मेजबान साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे इस कैलकुलेशन से अलग होंगे। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में रोमांचक जीत दर्ज कर इस शीर्ष आठ में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस तरह ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड, बांग्लादेश और अफगानिस्तान को सीधे वर्ल्ड कप में जगह मिल गई है। मेजबान साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे भी टूर्नामेंट का हिस्सा होंगे। वेस्टइंडीज फिलहाल ODI रैंकिंग में 10वें स्थान पर है।

उसके पास कटऑफ तारीख से पहले भारत के खिलाफ दो ODI मुकाबले खेलने का मौका जरूर है, लेकिन इन दोनों मैचों में जीत भी उसे सीधे क्वालीफिकेशन की दौड़ में वापस नहीं ला पाएगी। ऐसे में अब टीम को अगले साल फरवरी में होने वाले क्वालीफायर टूर्नामेंट में उतरना होगा। वेस्टइंडीज के लिए यह स्थिति नई नहीं है। 2023 ODI वर्ल्ड कप के लिए भी टीम सीधे क्वालीफाई नहीं कर पाई थी और उसे क्वालीफायर खेलना पड़ा था। वहां कैरेबियाई टीम सुपर सिक्स चरण में पांचवें स्थान पर रही और वर्ल्ड कप में जगह बनाने से चूक गई। यह वेस्टइंडीज क्रिकेट के इतिहास में पहली बार था, जब टीम ODI वर्ल्ड कप में जगह नहीं बना सकी। इसका असर आगे भी देखने को मिला और टीम 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर पाई।

वेस्टइंडीज ने आखिरी बार 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। 2027 वर्ल्ड कप के क्वालीफायर में 30 सितंबर 2026 की रैंकिंग के आधार पर निचली दो गैर-मेजबान फुल मेंबर टीमें शामिल होंगी। फिलहाल आयरलैंड और वेस्टइंडीज इस कैटेगिरी में हैं। इनके अलावा क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग-2 की शीर्ष चार टीमें और वर्ल्ड कप क्वालीफायर प्लेऑफ से आने वाली चार टीमें टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगी। क्वालीफायर प्लेऑफ में लीग-2 की निचली चार टीमें और चैलेंज लीग की चार टीमें भिड़ेंगी। आठ टीमों के इस प्लेऑफ से शीर्ष चार टीमें मुख्य क्वालीफायर में पहुंचेंगी। चैलेंज लीग में 12 टीमें दो ग्रुप में बांटी गई हैं। दोनों ग्रुप में 6-6 टीमें होंगी और पूरे चक्र में तीन राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट खेले जाएंगे।

प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें क्वालीफायर प्लेऑफ में जगह बनाएंगी। क्वालीफायर का विजेता सीधे 2027 वर्ल्ड कप के दूसरे चरण में पहुंच जाएगा। वहीं दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को पहले चरण में सुपर सीरीज खेलनी होगी। इस सीरीज की शीर्ष टीम भी वर्ल्ड कप के दूसरे चरण में प्रवेश करेगी। वेस्टइंडीज के लिए यह सिर्फ एक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट नहीं होगा, बल्कि अपनी खोई हुई पहचान वापस पाने की एक और बड़ी परीक्षा होगी। दो बार की वर्ल्ड चैंपियन टीम लगातार तीसरी बार क्वालीफायर के जाल में फंस चुकी है और अब उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती वर्ल्ड कप का टिकट हासिल करने की होगी।

यशपाल शर्मा: वर्ल्ड कप 1983 के नायक, जिन्होंने मुश्किल हालात में टीम इंडिया को संभाला

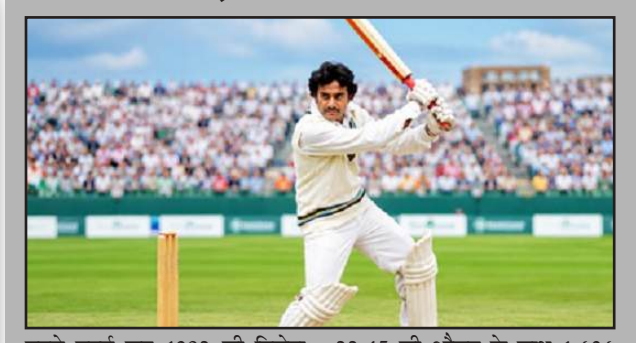

वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम के अहम सदस्य रहे यशपाल शर्मा ने कठिन परिस्थितियों में देश के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वह क्रिकेट प्रेमियों के लिए प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। 11 अगस्त 1954 को लुधियाना में जन्मे दाएं हाथ के बल्लेबाज यशपाल शर्मा अपने मजबूत डिफेंस से किसी भी अटैक को बेअसर करने में माहिर थे। 1977-78 में दिलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन की तरफ से खेलते हुए उन्होंने साउथ जोन के खिलाफ 173 रन की पारी खेलकर अपनी पहचान बनाई। अगले सीजन में यशपाल ने पाकिस्तान का दौरा किया, लेकिन टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके। हालांकि, कुछ वक्त बाद टीम में आखिरकार मौका मिल ही गया।

करीब दो दशक लंबे प्रथम श्रेणी करियर में यशपाल ने 160 मैच खेले, जिसमें 44.88 की औसत के साथ 8,933 रन बनाए। इस दौरान 21 शतक और 46 अर्धशतक शामिल रहे। यशपाल ने फर्स्ट क्लास करियर में 201 रन की नाबाद पारी भी खेली है। साल 1978 से 1985 के बीच यशपाल ने भारत के लिए 37 टेस्ट और 42 वनडे मैच खेलते हुए मिडिल ऑर्डर को मजबूती दी। इस दौरान उनके बल्ले से टेस्ट फॉर्मेट में 33.45 की औसत के साथ 1,606 रन निकले, जिसमें 2 शतक और 9 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं, वनडे फॉर्मेट में इस बल्लेबाज ने 28.48 की औसत के साथ 883 रन बनाए।

1981-82 में यशपाल शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ 140 रन बनाते हुए जीआर विश्वनाथ के साथ 316 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। यशपाल वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम का अहम हिस्सा रहे हैं, जो उस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के मामले में दूसरे पायदान पर रहे, उन्होंने 8 मुकाबलों में 34.29 की औसत के साथ 240 रन बनाए। यशपाल ने ग्रुप स्टेज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 89 रन, जबकि सेमीफाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 61 रन की पारी खेली थी। रिटायरमेंट के बाद यशपाल कोचिंग, कमेंट्री और क्रिकेट प्रशासन में सक्रिय रहे।

उन्होंने दो चरणों (साल 2004-05 और 2008-11) में नेशनल सिलेक्टर के तौर पर काम किया। कई घरेलू मुकाबलों में मैच रेफरी की भूमिका निभा चुके यशपाल शर्मा दिल्ली की क्रिकेट सलाहकार समिति का भी हिस्सा रहे। 13 जुलाई 2021 को दिल का दौरा पड़ने से यशपाल शर्मा का निधन हो गया।

मैं अपना रास्ता खुद बनाना चाहता हूं, वर्ल्ड चैंपियनशिप में डेब्यू करना मेरे लिए एक शानदार मौका

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपने डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह भारत के मशहूर खिलाड़ियों की उपलब्धियों से अपनी तुलना करने के बजाय अपनी शर्तों पर खेलना चाहते हैं। टूर्नामेंट के पहले राउंड में उनका सामना चीन के वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी शी यू क्यूई से होगा। साल की शुरुआत में निंगबो में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उपविजेता के तौर पर चर्चा में आए 21 वर्षीय आयुष को वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपने डेब्यू पर ही एक बड़ी चुनौती का सामना करना होगा। शी ने कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप के फाइनल में शेट्टी को सीधे गेम में हराया था, लेकिन इस बार भारतीय खिलाड़ी ज्यादा अनुभव और घरेलू दर्शकों के समर्थन के साथ रीमैच में उतरेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय स्टार्स की उपलब्धियां उनके लिए कोई बेंचमार्क तय करती हैं, तो शेट्टी ने कहा कि वे अपने से पहले आए खिलाड़ियों की नकल करने के बजाय अपने खुद के स्टैंडर्ड स्थापित करना पसंद करेंगे। आयुष ने आईएएनएस के साथ बात करते हुए कहा, "मैं इसे बेंचमार्क के तौर पर नहीं देखता। मैं अपना रास्ता खुद बनाना चाहता हूं। अपना बेंचमार्क खुद तय करना चाहता हूं। मैं इस बात पर ध्यान नहीं दे रहा हूं कि दूसरों ने क्या किया है या खेल को क्या दिया है। वे खेल के दिग्गज हैं। मैं खुद पर अधिक ध्यान दे रहा हूं, बेहतर खेलते रहना चाहता हूं और मैच जीतना चाहता हूं। मैं इसे इसी तरह देखता हूं। "मैं अगली पीढ़ी के लिए बेंचमार्क सेट करने के बारे में सोचकर दबाव नहीं लेना चाहता। मैं खेल का मजा लेना चाहता हूं। चूंकि यह घरेलू टूर्नामेंट है, इसलिए दबाव तो है ही, लेकिन भारत में वर्ल्ड चैंपियनशिप में डेब्यू करना मेरे लिए एक शानदार मौका है। मैं इसे सच में एक खास टूर्नामेंट मानता हूं।" इस बीच, शेट्टी अपने खेल के उन पहलुओं पर काम कर रहे हैं जो शी जैसे खिलाड़ी के खिलाफ अहम साबित हो सकते हैं। अगर पहले राउंड का मुकाबला शारीरिक रूप से बहुत ज्यादा मेहनत वाला होता है, तो उनके डिफेंस और फिटनेस में हुआ सुधार काफी अहम साबित हो सकता है।

घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हटे यानिक सिनर

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका टूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा।

सिनर ने एक बयान में कहा, "अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं।"

अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप: बसंत कुमार ने हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास

यूजीन। बसंत कुमार मेघवाल ने ओरेगन के यूजीन में हो रही अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 2.21 मीटर की अपनी पर्सनल बेस्ट जंप की बराबरी की। राजस्थान के गंगानगर के रहने वाले 19 साल के बसंत, किसी भी विश्व स्तर इवेंट में हाई जंप में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। बसंत ने पहले 2.06 मीटर, फिर 2.12 मीटर और 2.17 मीटर की ऊंचाई पार की। इसके बाद 2.21 मीटर की शानदार जंप ने पोडियम पर उनकी जगह पक्की कर दी। टॉप तीन एथलीटों ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन 'काउंटबैक' नियम के आधार पर बसंत ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अल्जीरिया के यूनिस अयाची ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। वहीं, शाहनवाज खान ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में 7.84 मीटर की बेस्ट जंप के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह किसी भारतीय पुरुष लॉन्ग जंपर द्वारा जीता गया पहला विश्व स्तरीय मेडल भी है। इटली के इनजोली ने 7.97 मीटर की बेस्ट जंप के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर (7.96 मीटर) ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया।

कारगिल दिवस पर पाकिस्तानी मुक्केबाज को हराने पर पीएम मोदी ने दी जदुमणि को शाबाशी

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रदर्शन यादगार रहा। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में देश ने 13 गोल्ड समेत कुल 39 मेडल अपने नाम किए। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर भारत के लिए मेडल जीतने वाले सभी खिलाड़ियों से मुलाकात की।

इस दौरान पीएम मोदी ने कारगिल विजय दिवस पर पाकिस्तानी मुक्केबाज को हराने के लिए जदुमणि सिंह की प्रशंसा की। पीएम मोदी ने खिलाड़ियों के बातचीत के दौरान पूछा, "कारगिल दिवस पर किसकी विजय हुई थी।" इसके बाद जदुमणि ने बताया कि कारगिल विजय दिवस पर उनकी फाइट पाकिस्तानी मुक्केबाज के साथ थी और वह खुद भारतीय सेना से हैं, तो हर हाल में पाकिस्तान को हराना चाहते थे। उन्होंने बताया कि वह ऐसा करने में सफल भी रहे और उन्होंने पाकिस्तान के मुक्केबाज को 5-0 से हराया। जदुमणि ने बताया कि उन्होंने यह जीत कारगिल के वीर जवानों को समर्पित की थी।

इसके बाद प्रधानमंत्री ने जदुमणि से कहा, "आप स्वयं सेना से हैं, तो मैं जरूर मानता हूं कि आपने जो देश के वीर जवानों के प्रति यह जो भाव प्रकट किया कि मैं यह जीत या मेडल कारगिल के विजेताओं को समर्पित करता हूं, उसने उस विजय पर चार चांद लगा दिए। आपने उसको ही पराजित किया, जिसको करना था।" भारतीय मुक्केबाज जदुमणि सिंह ने 55 किलोग्राम वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। हालांकि, वह गोल्ड लाने से चूक गए और उन्हें फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के जे डिक्सन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, टूर्नामेंट में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन यादगार रहा। मुक्केबाजी में भारत ने कुल 10 मेडल अपनी झोली में डाले, जिसमें 7 गोल्ड मेडल रहे। ग्लासगो में भारत ने 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज समेत कुल 39 मेडल अपने नाम किए। भारत ने टूर्नामेंट का अंत चौथे स्थान पर रहते हुए किया।

लिवर के पूरे फैट को गला देगी ब्लैक कॉफी विद घी, आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया किस तरह पीनी चाहिए?

फैटी लिवर की समस्या जिन लोगों को है या जिन्हें खाना खाते ही पेट में भारीपन होने लगता है, गैस और ब्लोटिंग होने लगती है। जिन लोगों को खाना जल्दी नहीं पचता है उन्हें रोजाना दिन में 2-3 कप ब्लैक कॉफी पीना शुरू कर देना चाहिए। ब्लैक कॉफी को लिवर के लिए सबसे फायदेमंद ड्रिंक माना जाता है। ये लिवर में जमा सारे फैट को पिघला देगी। अगर ब्लैक कॉफी को घी डालकर पीते हैं तो शरीर में नेचुरली कोलेजन भी बूस्ट होगा और इससे आपकी स्किन लंबे समय तक जवान बनी रहेगी। जिन्हें पाचन और पेट की समस्या है उनके लिए घी डालकर कॉफी पीना काफी फायदेमंद होता है।

गौतम आयुर्वेदा क्लीनिक की एक डॉक्टर ने बताया कि अगर आप रेगुलर ब्लैक कॉफी में घी डालकर पीते हैं। या बिना घी के ब्लैक कॉफी पीते हैं तो इससे लिवर में जमा फैट कम होने लगेगा। जिन्हें डाइजेशन से जुड़ी समस्या रहती है उनके लिए भी ब्लैक कॉफी फायदेमंद है। इसके लिए आपको 1 कप उबला हुआ गर्म पानी लेना है। इसमें आधा चम्मच देसी घी डाल दें। अब इसमें थोड़ी कॉफी मिला दें। सुबह इस ड्रिंक को पीएं। इससे आप पूरा दिन खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे और इससे आपका लिवर हेल्दी रहेगा। इस कॉफी में घी का इस्तेमाल कर रहे हैं, इससे नेचुरली कोलेजन बूस्ट होगा। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी के मुताबिक कॉफी पीने से सिर्फ एनर्जी नहीं मिलती बल्कि शरीर को कई फायदे होते हैं। कॉफी लिवर के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। डॉक्टर सौरभ सेठी के मुताबिक ब्लैक कॉफी लिवर के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए सबसे अच्छे ड्रिंक में से एक है। कई रिसर्च में ये पता चला है कि रोजाना ब्लैक कॉफी पीने वालों में लिवर सिरोसिस का खतरा 44 प्रतिशत तक कम हो सकता है। कॉफी फैटी लिवर रोग से लड़ने में मदद करती है।

क्या होता है एनालॉग पनीर, महाराष्ट्र में हुआ बैन, सेहत को लेकर क्यों चिंतित हैं डॉक्टर

प्रोटीन के नाम पर लोग भर-भरकर पनीर खा रहे हैं। कुछ स्पेशल सब्जी बनानी हो तो पनीर का नाम सबसे ऊपर होता है। हाई प्रोटीन और कैल्शियम जैसे गुणों से भरपूर पनीर को लोग सेहतमंद मानकर खाते हैं। फिर चाहे होटल और ढाबे पर बिकने वाला पनीर हो या घर में बनी पनीर की सब्जी हो, ज्यादातर लोग इसे दूध से बना मानकर ही खाते हैं।

लेकिन इन दिनों मिलावटी पनीर बाजार में धड़ल्ले से बिक रहा है। नकली पनीर को दूध से नहीं बल्कि कुछ ऐसी हानिकारक चीजों से बनाया जाता है जो सेहत को फायदे की जगह भारी नुकसान पहुंचा रही हैं। हाल ही में महाराष्ट्र एनालॉग पनीर के निर्माण, बिक्री, भंडारण और वितरण पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला राज्य बन गया है।

यह कदम तब उठाया गया जब लोगों को बिना बताए नॉन-डेयरी पनीर को नॉर्मल पनीर बताकर बेचा जा रहा है। आइये जानते हैं कि आखिर एनालॉग पनीर क्या होता है। इससे सेहत को क्या नुकसान होता है? फरीदाबाद के अमृता अस्पताल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉक्टर महेंद्र सिंह राजपूत के अनुसार, पारंपरिक पनीर दूध से बनता है और इसमें नेचुरल प्रोटीन, कैल्शियम और दूसरे जरूरी डेयरी तत् होते हैं। वहीं एनालॉग पनीर आमतौर पर दूध के बजाय वनस्पति वसा, स्टार्च, इमल्सीफायर और खाद्य योजकों का उपयोग करके तैयार किया जाता है। भारत में पनीर को हमेशा से ही हाई प्रोटीन का सबसे अच्छा सोर्स माना जाता रहा है। लेकिन आजकल बहुत सारे लोग पनीर नहीं बल्कि नकली पनीर खा रहे हैं। रेस्टोरेंट और होटल में मिलने वाला पनीर असली है या नकली ये पता करना आम लोगों को लिए मुश्किल है। ये पनीर दूध से तैयार पनीर के मुकाबले सस्ता होता है। सबसे बड़ी समस्या है कि इसका स्वाद नॉर्मल पनीर जैसा ही होता है। इसलिए खाने पर भी लोगों को पता नहीं चलता कि वो क्या खा रहे हैं। फूड रेगुलेटर्स ऐसे पनीर पर साफ लेबलिंग के लिए दबाव बना रहे हैं। जिससे इस तरह के पनीर की पहचान हो सके। डॉक्टर ने बताया कि असली और नकली पनीर के बीच पोषण से जुड़ा काफी अंतर हो सकता है। पारंपरिक तरीके से बनाया गया पनीर आपको दूध में मौजूद सभी प्रोटीन, कैल्शियम और डेयरी के प्राकृतिक पोषक तत्व देता है। नकली पनीर में प्रोटीन की मात्रा बहुत कम होती है। इसमें रिफाइंड स्टार्च और लो क्वालिटी वाला वेजिटेबल फैट हो सकता है।

कम उम्र में क्यों बढ़ रहे हैं स्ट्रोक के मामले? न्यूरोलॉजिस्ट ने बताई वजह

कुछ साल पहले अगर किसी 35 या 40 साल के व्यक्ति को स्ट्रोक हो जाता, तो पूरा परिवार हैरान रह जाता था। लेकिन ऐसे मामले अब पहले की तुलना में ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। नोएडा स्थित यथार्थ अस्पताल में अध्यक्ष एवं ग्रुप डायरेक्टर – न्यूरोलॉजी, डॉ. कुणाल बहरानी, कहते हैं, '' मैं अक्सर ऐसे मरीजों से मिलता हूँ जो उम्र के उस पड़ाव पर होते हैं, जहाँ जिंदगी सबसे व्यस्त होती है करियर और भविष्य की योजनाएँ बन रही होती हैं। ऐसे में अचानक शरीर का एक हिस्सा काम करना बंद कर दे, बोलने में दिक्कत आने लगे या चेहरा टेढ़ा हो जाए, तो किसी को भी विश्वास नहीं होता कि यह स्ट्रोक हो सकता है।'' वो बता रहे हैं कि कम उम्र में स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्या क्यों बढ़ गयी है और आपको कब सावधान हो जाना चाहिए? डॉक्टर कहते हैं की मरीज या उनका परिवार सबसे पहला सवाल यही पूछते हैं कि क्या इतनी कम उम्र में भी स्ट्रोक हो सकता है? तो मेरा जवाब है, हाँ। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि स्ट्रोक अचानक युवाओं की बीमारी बन गया है। असल बदलाव हमारी जीवनशैली में आया है। आज 30 और 40 की उम्र में हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज़, मोटापा और बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल पहले की तुलना में कहीं अधिक आम हो चुके हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें से कई लोगों को पता भी नहीं होता कि उन्हें ये समस्याएँ हैं। वे खुद को पूरी तरह स्वस्थ मानते हैं क्योंकि उन्हें कोई तकलीफ़ महसूस नहीं होती और यहीं से जोखिम शुरू होता है। शरीर हमेशा शोर मचाकर बीमारी की शुरुआत नहीं करता। देर रात तक जागना, घंटों लैपटॉप के सामने बैठे रहना, तनाव, बाहर का खाना, व्यायाम के लिए समय न निकाल पाना और धूम्रपान जैसी आदतें धीरे-धीरे रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करती हैं। यह नुकसान एक दिन में नहीं होता, बल्कि वर्षों में जमा होता है।

रोज 15 मिनट नंगे पैर टहलना दिल के लिए है फायदेमंद, हार्ट के डॉक्टर ने बताया इससे शरीर में क्या बदलाव होता है

नंगे पैर टहलना, दौड़ना और चलना शरीर के लिए फायदेमंद माना जाता है। प्राचीन आयुर्वेद पद्धति में नंगे पैर चलने को सेहत से जोड़कर देखा जाता है। प्रकृति और मिट्टी से जुड़ने पर आपके शरीर का संतुलन और ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर हार्ट स्पेशलिस्ट डॉक्टर आलोक चोपड़ा ने एक पोस्ट शेयर कर बताया कि रोज 15 मिनट नंगे पैर टहलने से दिल की सेहत में सुधार आता है। उन्होंने अपने पोस्ट को कैप्शन दिया है, 'धरती से दोबारा जुड़ें'। डॉक्टर आलोक चोपड़ा के मुताबिक, घास, रेत या मिट्टी पर नंगे पैर चलना प्रकृति से जुड़ने और स्वास्थ्य सुधारने का एक सरल तरीका है, क्योंकि इससे आराम मिलता है, तनाव कम होता है और पूरा स्वास्थ्य बेहतर होता है। उन्होंने लोगों को बताया कि रोज सिर्फ 15 से 30 मिनट नंगे पैर चलना भी स्वस्थ जीवनशैली में कितना महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डॉक्टर आलोक चोपड़ा ने समझाया, जब हमारे नंगे पैर जमीन के सीधे संपर्क में आते हैं, तो शरीर में जमा अतिरिक्त इलेक्ट्रिकल चार्ज धरती में चला जाता है। उनके मुताबिक, इससे शरीर के प्राकृतिक इलेक्ट्रिकल बैलेंस को बनाए रखने में मदद मिल सकती है और कोशिकाओं को अपना सामान्य काम करने में सहायता मिलती है। रिपोलराइजेशन वह प्रक्रिया है, जिसमें किसी कोशिका की इलेक्ट्रिकल स्थिति बिगड़ने के बाद वह फिर से अपनी सामान्य स्थिति में लौट आती है। रिपोलराइजेशन क्यों जरूरी है, इस बारे में कार्डियोलॉजिस्ट ने बताया कि जब लाल रक्त कोशिकाएं अपनी सामान्य इलेक्ट्रिकल स्थिति में होती हैं, तो वे ज्यादा आसानी से एक-दूसरे से अलग रहकर खून में प्रवाहित हो सकती हैं। इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन यानी रक्त का प्रवाह बेहतर तरीके से होने में मदद मिल सकती है। जहां तक रिपोलराइजेशन के महत्व की बात है, हृदय रोग विशेषज्ञ ने इस बात पर जोर दिया कि रिपोलराइज्ड लाल रक्त कोशिकाएं अधिक स्वतंत्र रूप से गति कर सकती हैं, जिससे हेल्दी ब्लड सर्कुलेशन में मदद मिलती है।

शरीर का अतिरिक्त इलेक्ट्रिकल चार्ज कम करने में मदद मिल सकती है।

तनाव और स्ट्रेस कम हो सकता है और मन को आराम मिलता है।

इससे मूड बेहतर, दिमाग शांत और चीजों पर ध्यान लगाने में आसानी हो सकती है। शरीर और मन में शांति और संतुलन का एहसास हो सकता है, जिससे नींद भी बेहतर हो सकती है।

याददाश्त बढ़ाने में ही नहीं, सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को दूर भगाने में मददगार ये ड्राई फ्रूट

बादाम में पौष्टिक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है जो आपकी ओवरऑल हेल्थ को बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकती है। यही वजह है कि अक्सर हेल्थ एक्सपर्ट्स इस ड्राई फ्रूट को डेली डाइट प्लान में शामिल करने की सलाह देते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि याददाश्त बढ़ाकर अल्जाइमर जैसी बीमारी के खतरे को कम करने के साथ-साथ आपको इस ड्राई फ्रूट से ढेर सारे फायदे मिल सकते हैं।

हर रोज सही मात्रा में बादाम कंज्यूम कर आप अपनी हार्ट हेल्थ को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं। यानी बादाम दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को भी कम कर सकता है। इसके अलावा बादाम शरीर के अंदर मौजूद बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में भी कारगर साबित हो सकता है। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं तो हर रोज बादाम खाना शुरू कर दीजिए। बादाम खाकर अपने दिन की शुरुआत करने से आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करेगा, जिसकी वजह से आप ओवरईटिंग करने से बच जाएंगे। बादाम को बोन हेल्थ के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। जोड़ों के दर्द की समस्या से बचने के लिए बादाम का सेवन करने की सलाह दी जाती है। बादाम में फाइबर, पोटैशियम, मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स, प्रोटीन, विटामिन ई, कैल्शियम और कॉपर जैसे तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। आयुर्वेद के मुताबिक सुबह खाली पेट बादाम खाना सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल-बीपी समेत कई समस्याओं का रामबाण इलाज साबित होगा ये ड्राई फ्रूट

सर्दियों में अक्सर ड्राई फ्रूट्स खाने की सलाह दी जाती है। सर्दियों के मौसम में अखरोट जैसे पौष्टिक तत्वों से भरपूर ड्राई फ्रूट को रेगुलरली कंज्यूम कर आप अपनी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अखरोट में विटामिन, ओमेगा-3, एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम और कॉपर जैसे तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। अखरोट की मदद से दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अगर आप अपनी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो अखरोट खाना शुरू कर दीजिए। अखरोट हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को काफी हद तक कंट्रोल करने में भी मददगार साबित हो सकता है। अखरोट खाने से आप अपने शरीर में जमा होने वाले बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने से रोक सकते हैं। अखरोट को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल करने से आप कोलेस्ट्रॉल लेवल को काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आपकी मेमोरी कमजोर है तो आपको अखरोट जरूर खाना चाहिए। अखरोट आपको भूलने की बीमारी की चपेट में आने से भी बचा सकता है। अखरोट आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। अपच, ब्लोटिंग, गैस जैसी पेट से जुड़ी तमाम समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए लिमिटेड मात्रा में अखरोट को कंज्यूम किया जा सकता है। कुल मिलाकर अखरोट आपकी ओवरऑल हेल्थ को बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकता है।

रोजाना करें भेकासन, शरीर में आएगी नई ऊर्जा और लचीलापन

आधुनिक जीवनशैली में सुकून और ताजगी की तलाश के लिए योग से बेहतर और कोई उपाय नहीं हो सकता है। योगासन पद्धति में भेकासन एक ऐसा आसन है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर बताया गया है। भेकासन संस्कृत भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है। भेक का अर्थ मेंढक होता है, जबकि आसन का अर्थ मुद्रा होता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर की मुद्रा कुछ-कुछ मेंढक के समान होती है, जिस वजह से इसे मेंढक आसन भी कहते हैं। भेकासन में पीठ को पीछे की तरफ मोड़कर स्ट्रेच किया जाता है।

इसे करने के लिए शरीर के मध्य हिस्से की रीढ़ की हड्डी में काफी लचीलापन और ताकत चाहिए। इसके निरंतर अभ्यास से एडियां, घुटने और टखने मजबूत होते हैं। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन को लेकर अपनी राय दी है। उनके अनुसार, भेकासन करने से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आता है, जिससे चलने-फिरने में आसानी होती है और शरीर हल्का महसूस होता है। इस आसन से शरीर के कई हिस्सों की मांसपेशियों को फायदा होता है। खासकर पीठ के निचले हिस्से, बाइसेप्स, ट्राइसेप्स, पेट की मांसपेशियां, पैर, टखने, घुटने और जांघों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। भेकासन मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में काफी असरदार माना जाता है।

डायबिटीज के रोगियों को जरूर खाना चाहिए ये एक ड्राई फ्रूट

डायबिटीज के मरीज को हर चीज सोच समझकर और सही मात्रा में खाने की सलाह दी जाती है। फिर चाहे वो फल, सब्जियां हों या फिर ड्राई फ्रूट्स। डायबिटीज में मेवा (Dryfruit) सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, लेकिन सभी ड्राईफ्रूट्स फायदा करें ऐसा जरूरी नहीं है। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको चेस्टनट या शाहबलूत जरूर खाना चाहिए। चेस्टनट के नाम से मिलने वाला ये ड्राई फ्रूट ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद है। चेस्टनट में विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन बी6 और फोलेट जैसे पोषक तत्व होते हैं। इसके अलावा आयरन, पोटैशियम, कैल्शियम, और मैग्नीशियम का भी अच्छा सोर्स है। शरीर में बढ़े ब्लड शुगर को कम करने में चेस्टनट मदद करता है। जानिए डायबिटीज में चेस्टनट का सेवन कितना फायदेमंद है? चेस्टनट एक लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला फूड है जिसे डायबिटीज के मरीज आसानी से खा सकते हैं। चेस्टनट फाइबर से भरपूर होता है जिसे खाने से भोजन देरी से पचता है और शरीर धीरे-धीरे शुगर को अवशोषित करता है। चेट्सनट में भरपूर एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो खून में बढ़ रहे शुगर लेवल को कम करते हैं। चेस्टनट को हार्ट के लिए भी फायदेमंद माना जाता है।

सारी बीमारियों की जड़ है शरीर का ये अंग

बदलता मौसम सेहत से जुड़ी कई समस्याएं लेकर आता है। इस मौसम में लोग सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। सर्दी जुकाम और कई तरह के इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। आयुर्वेद में इन सारी बीमारियों की जड़ आपके पेट को माना जाता है। दादी नानी भी इसी बात को मानती है। अगर पेट ठीक है तो आप जल्दी बीमार नहीं पड़ेंगे। इसके लिए खानपान और जीवनशैली पर ध्यान देना जरूरी है। जिससे आप बदलते मौसम के लिए खुद को तैयार कर पाएं और पाचन संबंधी समस्याओं को दूर कर पाएं। दरअसल बदलते मौसम में शरीर को हेल्दी रखना है तो गट को हेल्दी बनाना जरूरी है। अपनी गट हेल्थ में सुधार लाएं और गट को समय-समय पर डिटॉक्स करते रहें। आयुर्वेद में गट हेल्थ को डेटॉक्स करने के लिए कुछ खास सब्जियां बताई गई हैं। जिनसे आपकी गट क्लीन और हेल्दी रहेगी। सर्दियों में पाचन काफी स्लो हो जाता है जिससे गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग की समस्या बढ़ जाती है। अगर आपको कब्ज रहती है तो ये और भी गंभीर समस्या हो सकती है। वहीं गर्मी में डिहाइड्रेशन, प्रोसेस्ड और ठंडे पेय पदार्थ भी गट हेल्थ को बिगाड़ देते हैं। इसलिए समय समय पर गट को डिटॉक्स करना जरुरी है। एक हेल्दी गट माइक्रोबायोम इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है।

सेहत के लिए वरदान 'ॐ' का जाप करना, कम हो सकता है इन गंभीर बीमारियों का खतरा

हिंदू धर्म में 'ॐ' शब्द सबसे पवित्र और महामंत्र माना गया है। किसी भी पूजा या शुभ काम से पहले इस मंत्र का उच्चारण जरूर किया जाता है। धार्मिक तौर पर तो इस शब्द को भगवान से मिलने का एक रास्ता बताया गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ॐ का जाप सेहत के लिहाज से भी फायदेमंद है? ॐ शब्द के उच्चारण से पैदा होने वाली तरंग तनाव खत्म कर दिमाग को सुकून पहुंचाती है। ये बात कई रिसर्च में भी साबित हो चुकी है। यही नहीं, इससे ब्लड प्रेशर भी बैलेंस रहता है क्योंकि लगातार ॐ बोलने से बॉडी में जो कंपन पैदा होती है, वो दिल के साथ-साथ हमारे पूरे शरीर में ब्लड सप्लाई नॉर्मल रखती है। इससे थायराइड के मरीजों को भी फायदा होता है क्योंकि इस मंत्र को लगातार बोलने से गले में भी वाइब्रेशन होती है जिससे थायराइड ग्लैंड हेल्दी रहता है।

थायराइड ग्लैंड हेल्दी रहेगा तो शरीर में मेटाबॉलिज्म प्रोसेस कंट्रोल रहेगा। न एनर्जी डाउन होगी, न वजन ऊपर-नीचे होगा क्योंकि गले में मौजूद तितली के साइज की ये ग्रंथि अगर अपना काम सही से न करे तो बॉडी के हर पार्ट की टेंशन बढ़ जाती है।

अगर घटते-बढ़ते थायराइड पर नजर न रखी जाए तो लोग वक्त से पहले उम्रदराज दिखने लगते हैं। आखिरकार जो भी हम खाते हैं, उसे एनर्जी में बदलकर हर अंग तक पहुंचाने का काम इसी ग्रंथि से निकलने वाले थायरॉक्सिन हार्मोन के जिम्मे होता है। आजकल के बदलते मौसम में तो थायराइड का रोग और खतरनाक हो जाता है क्योंकि कई बार मामूली लगने वाले सर्दी-जुकाम, थायराइड का सिग्नल भी होते हैं जिससे बीमारी का शुरुआत में पता नहीं चलता और बाद में दिक्कत बढ़ जाती है। लेकिन ये नौबत ही न आए, इसके लिए योगगुरू स्वामी रामदेव से योगिक-आयुर्वेदिक उपाय के बारे में जानते हैं। योग और ध्यान की परंपरा में 'ॐ' के उच्चारण को मन को एकाग्र करने और श्वास को नियंत्रित करने का सरल अभ्यास माना जाता है। नियमित रूप से शांत वातावरण में इसका जाप करने से व्यक्ति को मानसिक शांति और तनाव में कमी महसूस हो सकती है।

गहरी और नियंत्रित सांसों के साथ किया गया उच्चारण शरीर को कुछ समय के लिए विश्राम की अवस्था में लाने में भी मदद कर सकता है। योगिक परंपरा में 'ॐ' के उच्चारण के दौरान होने वाले कंपन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसका जाप करते समय सांस को धीरे-धीरे बाहर छोड़ने और ध्वनि पर ध्यान केंद्रित करने से मन भटकने की प्रवृत्ति कम हो सकती है। यही वजह है कि ध्यान और प्राणायाम के साथ 'ॐ' का उच्चारण लंबे समय से किया जाता रहा है। तनाव और मानसिक दबाव का असर शरीर पर भी पड़ सकता है। ऐसे में ध्यान, योग, पर्याप्त नींद और संतुलित दिनचर्या तनाव प्रबंधन में सहायक हो सकते हैं।

अभिषेक बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से मिल गई बड़ी राहत, आंखों के इलाज के लिए 3 हफ्ते विदेश जाने की इजाजत

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को TMC सांसद अभिषेक बनर्जी को आंखों के इलाज के लिए तीन हफ्ते विदेश जाने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के उस फैसले को बदल दिया, जिसमें विदेश जाकर इलाज कराने की उनकी मांग खारिज कर दी गई थी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने यह आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिषेक बनर्जी विदेश यात्रा के दौरान सिर्फ डिप्लोमैटिक पासपोर्ट का इस्तेमाल करेंगे। उन्हें अपनी पूरी यात्रा की जानकारी और विदेश में रहने की जगह की जानकारी जांच एजेंसी को देनी होगी।

अभिषेक बनर्जी की तरफ से सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने बताया कि उनके पास अभी सिर्फ डिप्लोमैटिक पासपोर्ट है। उन्होंने कहा कि इस पासपोर्ट से यात्रा करने पर विदेशों में भारतीय दूतावास उनकी गतिविधियों पर नजर रख सकते हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से ASG एसवी राजू ने विदेश जाने की अनुमति का विरोध किया। उन्होंने कहा कि अभिषेक बनर्जी के खिलाफ 16 मामले हैं और आशंका है कि विदेश जाने के बाद वह वापस नहीं लौट सकते। इस पर जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि हर व्यक्ति को विदेश जाने का अधिकार है और हर व्यक्ति को अपने इलाज का विकल्प चुनने का अधिकार है।

थके-हारे कांवड़ियों के पैर दबाते नजर आईं IPS अधिकारी, दिल जीत रहा है VIDEO

पुलिस की वर्दी आमतौर पर अनुशासन, जिम्मेदारी और कानून-व्यवस्था की पहचान मानी जाती है। लेकिन ओडिशा के जयपुर में एक आईपीएस अधिकारी ने इसी वर्दी में इंसानियत और संवेदनशीलता की ऐसी मिसाल पेश की, जिसकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। जयपुर की एसडीपीओ अर्चिता मित्तल, आईपीएस बोल बम यात्रा पर निकले कांवड़ियों की मदद करते हुए नजर आईं। बताया गया कि अर्चिता मित्तल की ड्यूटी कांवड़ियों के यात्रा मार्ग पर लगी थी। इसी दौरान उन्होंने लंबे रास्ते तक पैदल चलने से थक चुके श्रद्धालुओं की परेशानी देखी और उनकी मदद के लिए आगे आईं। प्रसिद्ध गुप्तेश्वर मंदिर की ओर पैदल यात्रा कर रहे बोल बम श्रद्धालु लंबे सफर के कारण काफी थक गए थे।

इसी दौरान एसडीपीओ अर्चिता मित्तल ने कुछ थके हुए कांवड़ियों के पास जाकर उनकी मदद की। उन्होंने सिर्फ श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था संभालने तक अपनी जिम्मेदारी सीमित नहीं रखी, बल्कि थके हुए कांवड़ियों के पैर दबाकर उनकी सेवा भी की। इस दौरान वह अपनी आधिकारिक पुलिस वर्दी में ही थीं।

आईपीएस अधिकारी का यह अंदाज लोगों के लिए भावुक करने वाला रहा। पुलिस अधिकारी को आमतौर पर कानून-व्यवस्था संभालते हुए देखा जाता है, लेकिन यहां एक अधिकारी श्रद्धालुओं की थकान को समझते हुए उनकी व्यक्तिगत तौर पर मदद करती नजर आईं। बोल बम यात्रा के दौरान श्रद्धालु लंबी दूरी पैदल तय करते हैं। लगातार पैदल चलने की वजह से थकान और शारीरिक परेशानी होना उनके लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। ऐसे में यात्रा मार्ग पर तैनात पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करते हैं। अर्चिता मित्तल ने भी अपनी ड्यूटी के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था का ध्यान रखा। इसके साथ ही, उन्होंने थके हुए श्रद्धालुओं की व्यक्तिगत रूप से मदद कर संवेदनशीलता दिखाई। यही वजह है कि उनका यह कदम लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

भगवान वरुण को प्रसन्न करने के लिए 'महा वरुण यज्ञ' कर रही कांग्रेस सरकार

बारिश की कमी से जूझ रहे तेलंगाना में कांग्रेस सरकार भगवान वरुण को प्रसन्न करने के लिए 'महा वरुण यज्ञ' कर रही है। सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी और उनकी पत्नी ने नागार्जुन सागर में कृष्णा नदी के किनारे इस वरुण यज्ञ (बारिश के लिए अनुष्ठान) की औपचारिक शुरुआत की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी दोपहर में पूर्णाहुति कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इस वरुण यज्ञ में 108 पुजारी और वैदिक विद्वान भाग ले रहे हैं। अल नीनो के कारण बचे हुए मॉनसून पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं और ऊपरी इलाकों के जलाशय अभी तक भरे नहीं हैं।

इसे देखते हुए, राज्य सरकार सोमवार को नागार्जुन सागर जलाशय पर 'महा वरुण यज्ञ' कर रही है, ताकि अच्छी बारिश हो, जलाशय पूरी तरह भरें और कृष्णा व गोदावरी नदियों में पानी का बहाव अच्छा बना रहे। यह अनुष्ठान विजय विहार टूरिज्म गेस्ट हाउस के परिसर में किया जा रहा है। सीएम ए. रेवंत रेड्डी दोपहर 3 बजे 'पूर्णाहुति' समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री दोपहर 2:00 बजे हेलीकॉप्टर से हैदराबाद से रवाना होंगे।

सीनियर ब्यूरोक्रेट दीप्ति गौड़ मुखर्जी को मिली बड़ी जिम्मेदारी, NEET विवाद के बाद बनाई गईं नई उच्च शिक्षा सचिव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा सोमवार को किए गए उच्च स्तरीय प्रशासनिक फेरबदल के तहत सीनियर ब्यूरोक्रेट दीप्ति गौड़ मुखर्जी को नया उच्च शिक्षा सचिव नियुक्त किया गया है। वह विनीत जोशी का स्थान लेंगी, जिन्हें पिछले महीने पंचायती राज मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया था। उल्लेखनीय है कि जोशी के स्थान पर पशुपालन और डेयरी विभाग के सचिव नरेश पाल गंगवार को उच्च शिक्षा सचिव के रूप में नामित किया गया था। कार्मिक मंत्रालय ने सोमवार देर रात घोषणा की कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC) ने अपने 23 जुलाई के आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए मुखर्जी को नया उच्च शिक्षा सचिव नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। मध्य प्रदेश कैडर की 1993 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) की अधिकारी मुखर्जी वर्तमान में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। कार्मिक मंत्रालय द्वारा सोमवार देर रात जारी एक आदेश के अनुसार, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उच्च शिक्षा विभाग की सचिव के रूप में मुखर्जी की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (NEET-UG) प्रश्न पत्र लीक विवाद के मद्देनजर काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। आदेश में कहा गया है कि युवा मामलों के विभाग की सचिव पल्लवी जैन गोविल कॉर्पोरेट मामलों की नई सचिव होंगी। इसके अलावा, मंत्रिमंडल सचिवालय में विशेष कार्य अधिकारी (OSD) सुशील कुमार लोहानी को भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के सचिव वी एल कांता राव को गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग में विशेष कार्य अधिकारी (OSD) नियुक्त किया गया है। वह अगले महीने के अंत में वर्तमान सचिव अंशुली आर्य की सेवानिवृत्ति के बाद राजभाषा विभाग के सचिव का पदभार संभालेंगे। राव के स्थान पर वरिष्ठ नौकरशाह अर्चना वर्मा जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की नई सचिव होंगी। कार्मिक मंत्रालय के अनुसार, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC) ने 23 जुलाई को जारी अपने पूर्व आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए दीप्ति गौड़ मुखर्जी को उच्च शिक्षा विभाग का सचिव नियुक्त करने की मंजूरी दी है। मुखर्जी वर्तमान में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

इससे पहले विनीत जोशी को पंचायती राज मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया था। उनके स्थान पर पशुपालन एवं डेयरी विभाग के सचिव नरेश पाल गंगवार को उच्च शिक्षा सचिव बनाए जाने की घोषणा की गई थी। अब केंद्र सरकार ने अपने फैसले में बदलाव करते हुए दीप्ति गौड़ मुखर्जी की नियुक्ति को मंजूरी दी है। मुखर्जी के पास केंद्र और राज्य सरकार में प्रशासनिक स्तर पर काम करने का लंबा अनुभव है। उच्च शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी ऐसे समय में मिली है, जब देश में उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। युवा मामलों के विभाग की सचिव पल्लवी जैन गोविल को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय का नया सचिव नियुक्त किया गया है।

स्कूलों में घुसे सैलाब में फंसे 120 बच्चे, कहीं JCB से हुआ टीचर का रेस्क्यू

राजस्थान के झालावाड़ जिले में मॉनसूनी बारिश का रौद्र रूप देखने को मिला। लगातार मूसलाधार बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं, वहीं मनोहरथाना और रायपुर क्षेत्रों से डराने वाली तस्वीरें सामने आई हैं, जहां दो अलग-अलग सरकारी स्कूलों में उफनते नालों का पानी घुस जाने से करीब 120 बच्चों की जान पर संकट आ गया। हालांकि, समय रहते प्रशासन, पुलिस, स्कूल स्टाफ और ग्रामीणों की मुस्तैदी से सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

मनोहरथाना क्षेत्र के झिकनी गांव के राजकीय स्कूल में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब उफनते नाले का पानी अचानक तेज गति से स्कूल परिसर और कमरों के अंदर तक घुस गया। स्कूल के भीतर करीब 70 से 80 बच्चे फंस गए थे, और जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्कूल के स्टाफ और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत मोर्चा संभाला।

अपनी जान की परवाह किए बिना ग्रामीणों ने बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। दूसरी डरावनी घटना रायपुर क्षेत्र के कचराखेड़ी गांव की है, जहां भारी बारिश के कारण सरकारी स्कूल चारों तरफ से पानी से घिरकर एक 'टापू' बन गया।

इस स्कूल में करीब 40 बच्चे पढ़ाई कर रहे थे, जो पानी के तेज बहाव के बीच अंदर ही फंस गए। सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) तुरंत मौके पर पहुंचे। प्रशासन, पुलिस बल और स्थानीय ग्रामीणों के संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद सभी 40 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

वहीं, झालावाड़ जिले के भालता के बोरखेड़ी गुजरानइलाके से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां पानी के तेज बहाव में एक सरकारी टीचर बाइक समेत बह गए। दरअसल, बिन्दाखेड़ा गांव निवासी सरकारी टीचर बंकट कुमार अपनी बाइक से गुजर रहे थे, तभी भालता के बोरखेड़ी गुजरान स्थित पानी के तेज बहाव वाले खाल को पार करते समय उनकी बाइक पानी के तेज वेग में बह गई और वे खुद भी फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही भालता थाना अधिकारी रमेश चंद अपनी पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे।

वंदे मातरम को तमिलनाडु में चुनौती! सरकारी कार्यक्रमों में सबसे पहले गाया जाएगा राज्यगीत 'तमिल थाई वाजथु'

तमिलनाडु के सीएम विजय ने विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया।

तमिलनाडु विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसके तहत सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत में राज्य गीत 'तमिल थाई वाजथु' को सबसे पहले गाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसे शुरुआती गानों के क्रम में सबसे पहले राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' बजाने के केंद्र के निर्देश के खिलाफ मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। CM विजय ने विधानसभा में प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि राज्य में तमिल गान को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके बाद DMK और AIADMK, दोनों ने ही इस प्रस्ताव का समर्थन किया। स्पीकर JCD प्रभाकर ने घोषणा की कि प्रस्ताव पास हो गया है और इसे लागू करने के लिए किसी और मंजूरी की जरूरत नहीं है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "तमिल सिर्फ एक भाषा नहीं है; यह एक सोच, संस्कृति और सभ्यता है।

इतना ही नहीं, तमिल हमारा जीवन और हमारी भावना है, तमिलनाडु सरकार ने इस बात को पूरी तरह से समझा है। इसके अलावा, यह ऐतिहासिक प्रस्ताव मां तमिल को दी गई सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। जो तमिल भाषा के प्रति तमिल लोगों की भावनाओं और भाषा की प्राचीनता, विशिष्टता, गौरव व उत्कृष्टता को बनाए रखता है और उनकी रक्षा करता है। जिस दिन यह प्रस्ताव पारित हुआ है, वह दिन तमिलनाडु के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। मैं सभी राजनीतिक दलों का दिल से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव का समर्थन किया और इसे पारित किया। 'मां तमिल' की ख्याति पूरी दुनिया में गूंजती रहे! तमिलनाडु की विजय यात्रा जारी रहे!" इस प्रस्ताव को विधानसभा में पेश करते हुए सीएम विजय ने कहा कि राज्य में 'तमिल थाई वाजथु' को सबसे ज्यादा प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, "तमिल का मतलब है गर्व, तमिल का मतलब है शक्ति। जैसे ही आप 'तमिल' कहते हैं, पूरा तमिलनाडु एक साथ खड़ा हो जाता है। तमिलनाडु में 'तमिल थाई वाजथु' को पहला स्थान मिलना चाहिए। 'तमिल थाई वाजथु' को पहला स्थान देना हमारे राज्य का अधिकार है।" उन्होंने सभी विधायकों से राजनीतिक मतभेद भुलाकर प्रस्ताव का समर्थन करने का आग्रह किया और जोर देकर कहा कि TVK सरकार राज्य गीत की गरिमा की रक्षा करने में कोई समझौता नहीं करेगी।

प्रस्ताव में कहा गया है कि तमिल दुनिया की सबसे पुरानी शास्त्रीय भाषाओं में से एक है और तमिल सभ्यता दुनिया की सबसे पुरानी सांस्कृतिक परंपराओं में से एक का प्रतिनिधित्व करती है। इसमें 'तमिल थाई वाजथु' के इतिहास का भी जिक्र है, जो 1891 में मनोन्मनीयम सुंदरनार द्वारा लिखे गए नाटक 'मनोन्मनीयम' से जुड़ा है। 23 नवंबर 1970 को जारी एक सरकारी आदेश में निर्देश दिया गया था कि सरकारी कार्यक्रमों में सबसे पहले यह गीत गाया जाए।

राहुल गांधी की पीसी के बाद जेपी नड्डा ने किया पलटवार, बोले- "सदन में आएं, हम चर्चा के लिए तैयार"

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की पीसी के बाद केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता जेपी नड्डा ने राहुल को जवाब दिया है। जेपी नड्डा ने कहा, "राहुल गांधी झूठ बोल रहे हैं। वह अराजकता फैलाना चाहते हैं।" बता दें कि राहुल ने कहा था कि "सवाल यह नहीं था कि अमित शाह संसद में आकर कुछ आम विषयों पर भाषण देंगे। सवाल हमेशा यह रहा है कि अमित शाह को यह साफ करना होगा कि दिल्ली में हमारे युवाओं पर गोली चलाने का आदेश किसने दिया। पेलेट गन चलाई गईं, छात्रों को कील लगी लाठियों से पीटा गया। उन्हें साफ-साफ बताना चाहिए। क्या उन्होंने इसका आदेश दिया था या नहीं? अगर उन्होंने आदेश दिया था, तो हमारे बच्चों पर गोली चलवाने के लिए वे दोषी हैं और अगर उन्हें इस घटना के बारे में पता नहीं था, तो वे अयोग्य हैं। दोनों ही सूरतों में, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। यही चर्चा का विषय था।" जेपी नड्डा ने कहा, "राहुल गांधी संसद और देश के नैरेटिव, दोनों में रोज अपनी बात बदलते रहते हैं। उनका मकसद बातचीत करना नहीं, बल्कि अराजकता फैलाना है। शुरुआत में, सेशन की शुरुआत में, उन्होंने NEET पर चर्चा की मांग की थी। जेपी नड्डा ने कहा, "उनका इरादा सदन को काम करने से रोकना है।"

जयपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग ने नष्ट की 1600 किलो सोहनपापड़ी, बिना पैकेजिंग और एक्सपायरी डेट के हो रही थी बिक्री

राजस्थान के जयपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी खाने के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आनंद धाबास की निर्माण इकाई पर छापेमारी के दौरान 1600 किलो सोहनपापड़ी नष्ट की गई। इसके साथ ही सोहनपापड़ी और बादाम कटिंग के सैंपल भी लिए गए। विभाग की टीम को बड़ी मात्रा में तैयार सोहनपापड़ी पर पैकेजिंग डेट और एक्सपायरी डेट नहीं मिली। इसके अलावा जांच के दौरान स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों से जुड़ी कई कमियां भी सामने आईं। कुछ दिन पहले गुजरात में भी एक नकली घी की फैक्ट्री पकड़ी गई थी।

इसके बाद एनालॉग पनीर पर बैन लगा दिया गया। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के निर्देशन में चल रहे 'शुद्ध आहार–मिलावट पर वार' अभियान के तहत की गई। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग की सेंट्रल टीम ने जयपुर स्थित मेसर्स आनंद धाबास की सोहनपापड़ी निर्माण इकाई का निरीक्षण किया। कार्रवाई आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशन में की गई। छापेमारी के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सोहनपापड़ी और बादाम कटिंग के एक-एक नमूने लिए, जिन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा। कार्रवाई के दौरान तैयार सोहनपापड़ी की बड़ी मात्रा पर आवश्यक खाद्य लेबलिंग नहीं पाई गई। खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को गंभीर मानते हुए विभाग ने मौके पर उपलब्ध करीब 1600 किलो सोहनपापड़ी को नष्ट करवा दिया।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार । RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415